दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
● नई दिल्ली। बुधवार 09 अप्रैल-2025 ● वर्ष : 10 अंक : 109 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

मुलाकात

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद के लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। हालांकि यह एक शिष्टाचार मुलाकात थी। लगभग 25 मिनट तक चली इस मुलाकात में लोकसभा सांसद अतुल गर्ग और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बीच अलग-अलग विषयों को लेकर बात हुई। सांसद अतुल गर्ग ने इस मुलाकात में अपने संसदीय क्षेत्र से जुड़ी कुछ बातों को उपराष्ट्रपति के समक्ष रखा। बताया जाता है कि यह शिष्टाचार मुलाकात बेहद सुखद माहौल के बीच हुई।

पीएम मोदी मंत्रिमंडल की बैठक आज

गांवों के विकास पर लिए जा सकते बड़े फैसले
बिहार समेत इन 15 राज्यों पर होगा फोकस

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक को लेकर एक जानकारी सामने आई है। अधिकारियों के अनुसार, 9 अप्रैल को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक होने की संभावना है। इस बीच, 5 अप्रैल को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के दूसरे चरण को मंजूरी दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा इस इस बैठक में गांव के विकास को लेकर चर्चा होगी। ये बैठक सीमावर्ती गांवों के लिए बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करेगी। बात करते हुए, पीएम मोदी ने बैठक के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि सरकार दूसरे चरण में इस कार्यक्रम के तहत शामिल गांवों के दायरे का विस्तार कर रही है।

क्या बोले पीएम मोदी?

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-।। पर कैबिनेट का फैसला हमारे सीमावर्ती गांवों के लिए बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने के लिए असाधारण

खबर है। इस मंजूरी के साथ, हम वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-। की तुलना में कवर किए गए गांवों के दायरे का भी विस्तार कर रहे हैं।' केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-।। को मंजूरी दे दी, जो सुरक्षित, संरक्षित और जीवंत भूमि सीमाओं के नजरिए के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाता है। यह कार्यक्रम वीवीपी-। के तहत पहले से ही कवर की गई उत्तरी सीमा के अलावा, अंतर्राष्ट्रीय भूमि सीमाओं से सटे ब्लॉकों में स्थित गांवों के व्यापक विकास में मदद करेगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य समृद्ध और सुरक्षित सीमाओं को सुनिश्चित करने, सीमा पार अपराध को नियंत्रित करने और सीमावर्ती आबादी को राष्ट्र के साथ आत्मसात करने और उन्हें 'सीमा सुरक्षा बलों की आंख और कान' के रूप में विकसित करने के लिए बेहतर जीवन स्थितियां और पर्याप्त आजीविका के अवसर पैदा करना है, जो आंतरिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम गांव या गांवों के ग्रुप के भीतर बुनियादी ढांचे के विकास, मूल्य विकास (सहकारी समितियों, एसएचजी आदि के माध्यम से), सीमा-विशिष्ट आउटरीच गतिविधि, स्मार्ट कक्षाओं जैसे शिक्षा बुनियादी ढांचे, पर्यटन सर्किट के विकास और सीमावर्ती क्षेत्रों में विविध अवसर पैदा करने के लिए कार्य/परियोजनाओं के लिए धन उपलब्ध कराएगा।

ये हस्तक्षेप सीमा-विशिष्ट, राज्य-विशिष्ट और गांव-विशिष्ट होंगे, जो सहयोगात्मक नजरिए का इस्तेमाल करके तैयार की गई ग्राम कार्य योजनाओं पर आधारित होंगे।

किन राज्यों में चलेगा ये कार्यक्रम?

6,839 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ, यह कार्यक्रम अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर (यूटी), लद्दाख (यूटी), मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के चुनिंदा रणनीतिक गांवों में 2028-29 तक लागू किया जाएगा।

साहिबाबाद मंडी में अतिक्रमण हटाने को लेकर व्यापारियों ने किया विरोध, पुलिस ने फटकारी लाठियां

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। साहिबाबाद थाना लिंक रोड के साहिबाबाद नवीन फल एवं सब्जी मंडी में फिर अतिक्रमण हटाया गया। जहां प्रशासन ने अतिक्रमण हटवाने के लिए बुलडोजर चलाया। इस दौरान व्यापारी विरोध न करें इसलिए मौके पर पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई।

जहां एक तरफ इससे पहले भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। अब फिर से अतिक्रमण हटवाया गया है। फोर्स देखकर पीछे हटे व्यापारी पूर्व में व्यापारियों का भारी विरोध मंडी समिति को झेलना पड़ा

था। अब वही मंगलवार को दोबारा से इस अभियान में सब्जी मंडी के अंदर अफरा तफरी का माहौल रहा। वहीं दूसरी तरफ व्यापारियों का कहना है कि मंडी समिति के द्वारा कारवाई की जा रही है। इस कार्रवाई से काफी व्यापारी में भय का माहौल है, क्योंकि व्यापारियों ने किसानों को मोटी रकम एडवांस में दे रखी है और ऐसे में अगर किसान सब्जी को लेकर व्यापारी के पास नहीं आएगा तो व्यापारी काफी नुकसान उठाकर बैक फुट पर आ जाएंगे। इस समय गर्मी का सीजन शुरू हो चुका है, सब्जी और फल एक साथ खराब होने लगते हैं। व्यापारियों का कहना है कि इतना अतिक्रमण नहीं था, जो मंडी में दुकानें हैं उन्हीं के बाहर अपना सामान रखा हुआ था। लेकिन प्रशासन अतिक्रमण हटाकर जेसीबी चलवा रहा है।

लोहे के जीने उखाड़कर फेंके

करंट क्राइम। अतिक्रमण के दौरान प्रशासन ने दुकानों के बाहर जो लोहे के जीने लगे हुए थे, उन्हें भी बुलडोजर से उखाड़ कर फेंक दिया। सब्जी और फलों के प्लास्टिक के कैरेट एक के ऊपर एक रखी गई थी उन्हें सबको गिरा दिया। इसमें प्रशासन का कहना है कि अतिक्रमण हटाने को लेकर पूर्व में व्यापारियों को बताया गया था। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान कुछ व्यापारियों ने विरोध किया। इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने व्यापारियों पर लाठियां बरसाई।

सीएम का पुतला दहन को लेकर पुलिस और महिला सपा कार्यकर्ताओं में हुई तीखी नोंकझोंक
आरडीसी स्थित सपा कार्यालय पर था पुतला दहन का कार्यक्रम

गाजियाबाद, करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर टिप्पणी करने को लेकर नाराज समाजवादी पार्टी की महिला पदाधिकारियों ने मंगलवार को आरडीसी स्थित कार्यालय पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन का कार्यक्रम का आयोजन किया था लेकिन यह सफल नहीं हो पाया। बताया जा रहा है कि जैसे ही समाजवादी पार्टी की महिला पदाधिकारी कार्यालय के बाहर एकत्रित हुईं और नारेबाजी शुरू की तो पास ही में बने पुलिस नाका से पुलिसकर्मी आ बाहर गए और उन्होंने पुतला दहन कार्यक्रम को फेल करने का काम कर दिया। जिसमें

समाजवादी पार्टी की महिला नेताओं और पुलिस के बीच कहासुनी और नोंकझोंक वाली स्थिति भी हुई।

महिलाओं की संख्या अधिक देख तत्काल मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने महिला पुलिसकर्मियों को फोन कर बुलाया। इसके बाद पिंक बूथ राज नगर से महिला पुलिसकर्मी और थाने से महिला सब इंस्पेक्टर मौके पर भेजे गए और मामला शांत कराया गया। जैसे ही मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के पुतले दहन कार्यक्रम की सूचना खुफिया विभाग वालों को लगी तो उनकी भी टीम मौके पर आ गई और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी गई थी। उधर समाजवादी पार्टी की महिला नेताओं का कहना है कि उनके आंदोलन को पुलिस ने करने नहीं दिया और पुरुषकर्मियों ने उनके साथ धक्का मुक्की की है। बता दें कि इन दिनों समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच पुतला दहन और विरोध प्रदर्शन का सिलसिला जोरों पर चल रहा है। बीते दिनों समाजवादी पार्टी के राजनगर स्थित कार्यालय के बाहर भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष द्वारा सपा सांसद का पुतला फूंका गया था। तो फिर विरोध में रिएक्शन दिखाते हुए समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी ने पहले पुलिस ऑफिस में इस पूरे मामले की शिकायत की थी। इसके बाद एसीपी कवि नगर स्वतंत्र सिंह के कार्यालय पर पहुंचकर इसका विरोध दर्ज कराया था।

महिलाओं के आंदोलन की सूचना पर मीडिया से पहले पहुंची पुलिस की टीम

करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महिला पदाधिकारियों द्वारा पुतला दहन कार्यक्रम का आयोजन किया था। इसमें जानकारी मिल रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का समाजवादी पार्टी के नेताओं पर टिप्पणी और भाजपा द्वारा लगातार अखिलेश यादव को निशाने पर लिए जाने के विरोध में यह विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन कार्यक्रम होना था लेकिन बताया जा रहा है कि लगभग डेढ़ बजे के बाद जैसे ही सपा महिला नेताओं ने मीडियाकर्मियों को यह सूचना दी, उसके कुछ देर बाद ही वहां पुलिस पहुंच गई और समाजवादी पार्टी महिला नेताओं को उनके द्वारा किए जा रहे आंदोलन-प्रदर्शन व पुतला दहन करने से रोक दिया गया। इस दौरान बैनर पोस्टर और पुतला छीनने को लेकर पुलिस और महिला सपा नेताओं के बीच की नोक झोंक और कहासुनी भी हुई है। हालांकि बाद में महिला पुलिसकर्मी पहुंच गई थीं और महिला सपा नेताओं को कंट्रोल में कर लिया गया था। बताया जा रहा है कि मीडियाकर्मियों के पहुंचने से पहले ही मौके पर पुलिस पहुंच गई थी और उन्होंने सपा नेताओं को तितर बितर कर दिया था।

इन महिला सपा नेताओं की रही उपस्थिति

करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी के राजनगर स्थित कार्यालय के बाहर महिला सपा नेता विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन कार्यक्रम करने पहुंची थी। उसमें मुख्य रूप से मधु चौधरी, राज देवी चौधरी, सरोज चौधरी, पिक्की खान, नीरजा ठाकुर, रिंपी खान सुन्नी सहित एक दर्जन से अधिक महिलाएं मौजूद थीं। जो भाजपा नेताओं के विरोध में नारे लगाते हुए सपा कार्यालय के बाहर एकत्रित हुई थीं।

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में बनेगा जल्द आधुनिक मॉडर्न थाना
खोड़ा थाने की बिल्डिंग होगी सेंट्रली एसी कार्यालय से लेकर रूम तक बनेंगे हाईटेक

गौरव शशि नारायण

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम बनने के बाद जहां पुलिस अपनी वर्किंग सुधारने की कवायत में लगी हुई है। तो वहीं क्राइम कंट्रोल से लेकर बेस्ट वर्किंग भी प्रदर्शित की जा रही है। तो वहीं अब पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्रों ने जानकारी दी है कि जल्द ही पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में खोड़ा थाने को मॉडर्न थाने के रूप में डेवलप किया जाएगा। खोड़ा थाने की बिल्डिंग हाईटेक रूप में बनाए, जाने के साथ ही यहां के कार्यालय, कक्ष और अन्य भवन को सेंट्रली एसी बनाया जाएगा। साथ ही यहां पुलिसकर्मियों के बैठने के लिए आरामदायक स्थल से लेकर उनके लिए ठंडा और गर्म पानी की मशीन भी लगाई जाएगी। इसके साथ ही सफाई और बेहतर लाइटिंग व हवादार भवन का भी इंतजाम इस मॉडर्न लुक थाने खोड़ा में किया जाएगा। बताया जा रहा है कि मॉडर्न थाने को गुड लुकिंग बनाने के लिए वर्किंग शुरू कर दी गई है। आगामी कुछ माह के दौरान इसका उद्घाटन भी किया जाएगा।

पुलिस आधुनिकरण स्कीम के तहत होगा खोड़ा थाने का नया लुक

संभावना जताई जा रही है कि इस गिफ्ट को जनता के लिए देने सूबे के प्रमुख नेता या मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी शामिल हो सकते हैं।

खोड़ा थाने का बदलेगा स्वरूप, वर्किंग भी दिखेगी सुपर

करंट क्राइम : नदियापार के थानों में खोड़ा थाना दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर की सीमा से लगा हुआ है। खोड़ा बड़ी आबादी और मिश्रित आबादी वाला क्षेत्र है। यहां क्राइम रेट तो कम है लेकिन मामले बेहद प्रमुख और गंभीर होते हैं। मिश्रित आबादी क्षेत्र वाले इलाके में थाने को मॉडर्न लुक देने के लिए जहां उत्तर प्रदेश पुलिस और शासन की मंशा के अनुरूप पुलिस आधुनिकरण स्कीम के तहत इसका कायाकल्प किया जा रहा है। तो इसे बेहद आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। यहां के सभी कक्ष पूरी तरीके से एयर कंडीशन होंगे। तो वहीं कार्यालय और स्टाफ के बैठने के स्थान के अलावा फरियादियों को भी एक बेहतर माहौल प्रदान किया जाएगा।

दूर से ही लाइटिंग से जगमग नजर आएगा मॉर्डन थाना खोड़ा

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम सूत्रों से जानकारी मिली है कि नदिया पार ही नहीं पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में खोड़ा थाना के रूप में आने वाले समय में नजर आएगा। इसकी बहु मंजिला बिल्डिंग दूर से ही लाइटिंग से सजी हुई नजर आएगी। साथ ही यहां पार्किंग स्थल से लेकर अन्य व्यवस्थाओं को भी बेहद सिस्टमैटिक ढंग से किया जाना है। बताया जा रहा है कि आने वाले कुछ महीनो में इसे मॉडर्न थाने के रूप में दर्ज किया जाएगा और यह गाजियाबाद का सबसे हाईटेक थाने के रूप में काम करेगा।

यूपी की भगवा सियासत में बढ़ने वाली है हीट
पूर्व मंत्री उमा भारती ने जब किये लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर को ट्वीट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोनी से जो सियासी आग उठी है उसका धुआं अब पुराने फायरब्रांड हिंदुत्व नेताओं तक पहुंचा है। सियासत में कुछ तो चल रहा है और बताने वाले बता रहे हैं कि गर्मी के महीने में यूपी की भगवा सियासत का पारा हाई हो सकता है। इस मामले में नया मोड़ तब आया जब गुर्जर समाज ने लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर के समर्थन में दिल्ली में महापंचायत का ऐलान किया और इधर राम मंदिर आंदोलन की फायरब्रांड हिंदुत्व नेता उमा भारती ने लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर को ट्वीट किया। गौरतलब है कि इससे पहले उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम कैशव प्रसाद मौर्य और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर के साथ दिखाई दिये हैं। ये तब है जब लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने

कलश यात्रा के बाद इसे हिंदुत्व पर हमला बताते हुए मोर्चा खोल रखा है। वो पुलिसिया झड़प में फटे अपने कुर्ते के साथ घूम रहे हैं। वहीं उनके समाज ने महापंचायत का ऐलान किया है। 13 अप्रैल को दिल्ली में ये महापंचायत होनी है। इस मामले में मंगलवार को बड़ा मोड़ आ गया, जब मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री और फायरब्रांड हिंदुत्व नेता साध्वी उमा भारती ने लोनी विधायक को लेकर ट्वीट किये। उन्होंने अपने ट्वीट में इस घटनाक्रमा का जिक्र किया। उसके बाद उन्होंने अपने दूसरे ट्वीट में लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन की बात कही और फिर उन्होंने तीन ट्वीट किये। उस ट्वीट के जवाब में लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने भी ट्वीट किया और उन्होंने भी लिखा कि परम पूजनीय दीदी साध्वी जी ने मुझे अपने पास भोपाल बुलवाया। अब मैं अपने साथियों के साथ परामर्श करूंगा। बहरहाल अब ट्वीट के बाद भाजपा में सियासी हीट बढ़ने के चांस दिखाई दे रहे हैं। जो लोग इस सियासत को समझ रहे हैं वो सीन में उमा भारती की एंट्री का मतलब भी समझ रहे हैं। यहां अब भगवा बनाम भगवा वाला सीन हो सकता है। इस पूरे प्रकरण का पटाक्षेप भी हो सकता है।

दैनिक करंट क्राइम ने जब लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर से बात की तो उन्होंने कहा कि मैं परम पूजनीय साध्वी उमा भारती का आदर-सम्मान करता हूं, लेकिन यहां मामला मेरा अकेले का नहीं है। उन्होंने कहा कि गुर्जर समाज ने महापंचायत का ऐलान किया है। मैं गुर्जर समाज के सामने ये बात रखूंगा। उमा भारती निश्चित रूप से बड़ी नेता हैं। अब मुझे अपने समाज के सामने बात रखनी है। क्योंकि 13 अप्रैल को गुर्जर समाज महापंचायत का ऐलान कर चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिये पूरा मान-सम्मान है। पूरा देश उनका सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि यह भी सत्य है कि साध्वी उमा भारती का मुझ पर पूरा अधिकार है, लेकिन सवाल यही है कि अब बात गुर्जर समाज की है और मुझे यह पूरा मामला गुर्जर समाज के सामने रखना होगा। बहरहाल अब साध्वी उमा भारती के ट्वीट के बाद उत्तर प्रदेश की सियासत में पॉलिटिकल हीट बढ़ेगी। क्योंकि सियासत के जानकार मान रहे हैं कि कहानी में अब मोड़ ही भगवा आ गया है और यहां मध्य प्रदेश से ट्वीट है और दिल्ली में गुर्जर समाज की महापंचायत है। बीच में अभी चार दिन हैं और चार दिन में कोई भी फैसला हो सकता है।

गाजियाबाद शहर विधानसभा के सदस्य सम्मेलन का हुआ आयोजन

सांसद अतुल गर्ग और विधायक संजीव शर्मा ने कार्यकर्ताओं को दिया ऊर्जा, दिशा और संकल्प का मंत्र

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद शहर विधानसभा में प्रेरणास्पद सम्मेलन का आयोजन महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में यूरोपीय बैंक्विट हॉल, पटेल मार्ग, गाजियाबाद में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी, युवा प्रतिनिधि और सामाजिक संगठन के लोग सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद अतुल गर्ग, शहर विधायक संजीव शर्मा, पूर्व क्षेत्रीय महामंत्री अशोक मोगा रहे। इन तीनों वरिष्ठ नेताओं ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कार्यकताओं को दिशा, ऊर्जा और उत्साह से भर दिया।

इस कार्यक्रम में भाजपा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बंधु भी उपस्थित रहे। इनमें महामंत्री गोपाल अग्रवाल, महामंत्री सुशील गौतम, महामंत्री राजेश त्यागी, प्रदीप चौहान, हिमांशु लव, राकेश त्यागी, अनिल सांवरिया, बॉबी त्यागी, डॉक्टर ओपी अग्रवाल, हिमांशु लव, विपुल अग्रवाल, राकेश त्यागी, गोपाल अग्रवाल, लवली गॉड, राकेश त्यागी, राजेश त्यागी, संदीप त्यागी, दीपक यादव, सुशील गौतम, सुरेंद्र नागर मंडल अध्यक्ष एडवोकेट महेंद्र गुप्ता, धर्मेंद्र चौहान, वरुण नागर, पवन शर्मा, हेमराज महोट, रेनू चंदेल, पूनम सिंह भारद्वाज, देवनारायण शर्मा, ललित कश्यप, दिलप्रीत सिंह तिरोडा, सुभाष शर्मा, मन्नू वशिष्ठ, प्रीति चंद्र व्हेन विल, दत्त तरुण शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कार्यकर्ता की शक्ति ही संगठन की असली रीढ़ होती है : सांसद अतुल गर्ग

करंट क्राइम। अपने सम्बोधन में लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि कार्यकताओं की शक्ति ही संगठन की असली रीढ़ होती है। संगठन तभी मजबूत होता है जब जमीनी स्तर पर संवाद और समर्पण हो। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया को जनसंपर्क का नया माध्यम बताते हुए कार्यकर्ताओं से कहा कि नई तकनीक को अपनाकर सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुँचाना हमारी जिम्मेदारी है। बूथ स्तर पर सक्रियता, युवाओं की भागीदारी, और जनता से सीधा संवाद, इन तीन स्तंभों को उन्होंने संगठन की आगामी रणनीति का मूल बताया।

विधायक का बल छिपा होता है उसके कार्यकर्ताओं में : विधायक संजीव शर्मा

करंट क्राइम। इस अवसर पर शहर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि एक विधायक का बल उसके कार्यकर्ताओं में छिपा होता है। जब कार्यकर्ता जनता के सुख-दुख में भागीदार बनता है, तभी जनता प्रतिनिधियों पर भरोसा करती है। उन्होंने सदर विधानसभा में चल रही योजनाओं जैसे कि स्मार्ट स्ट्रीट लाइट्स, जल-निकासी परियोजनाएँ, और प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति का ज़िक्र करते हुए कहा कि विकास और संवाद, यही मेरी दो प्राथमिकताएँ हैं। विशेष रूप से उन्होंने गाजियाबाद में बन रहे भाव दूधेश्वर नाथ गलियारे का उल्लेख किया, जो न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि गाजियाबाद के सांस्कृतिक वैभव को भी नई पहचान देगा। साथ ही, उन्होंने यह भी जानकारी दी कि गंगाजल पेयजल योजना के माध्यम से जल्द ही गाजियाबाद की जनता को शुद्ध गंगाजल उपलब्ध कराया जाएगा जो एक ऐतिहासिक और जनहितकारी प्रयास होगा। उन्होंने 'जनसंवाद चौपाल' जैसी नई पहल की भी घोषणा की जिसमें हर वार्ड में नियमित जनसंवाद स्थापित किया जाएगा।

गर्मी आते ही पानी की व्यवस्था को बेहतर करने में जुटा खोड़ा नगर पालिका

पेयजल की व्यवस्था को बेहतर करने के कर्मचारियों को किया निर्देशित: अभिषेक कुमार

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। गर्मी आते ही खोड़ा के विभिन्न इलाकों में जल संकट की समस्या देखने को मिलती रहती है। ऐसे में पानी की समस्या से निजात दिलाने के लिए खोड़ा नगर पालिका ने रणनीति तैयार की है। सभी वार्डों में समय से पानी की आपूर्ति सुचारू रखने के लिए ट्रैक्टर टैंकर की टीम द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही है। ऐसे क्षेत्र जहां गर्मी के मौसम में पीने के पानी की परेशानी हो रही है। खोड़ा नगरपालिका द्वारा ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित करते हुए 25 एचपी के नलकूप लगाने का काम किया जाएगा। अधिशासी अधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि खोड़ा नगर पालिका अंतर्गत सभी वार्डों में पेयजल की व्यवस्था को बेहतर करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। टैंकरों की संख्या को भी बढ़ाने के लिए कहा है। ऐसे बस्ती जहां पर लगातार टैंकर जाते हैं उनको चिन्हित करते हुए अधिक से अधिक टैंकर भिजवाकर पेयजल आपूर्ति करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर पालिका द्वारा 34 से टैंकरों से पानी की आपूर्ति का कार्य किया जा रहा है। अधिशासी अधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया अभी टैंकर दिन में चार तीन बार पानी वार्ड में आपूर्ति कर रहे थे लेकिन गर्मी के चलते अब एक टैंकर चार बार वार्ड में पानी सप्लाई पहुंचाएगा जिससे 24 वार्डों में एक राउंड फालतू लगेगा इस बार पानी की कीमत नहीं रहेगी क्योंकि थोड़ा नगर पालिका के अंतर्गत 25 एचपी के तीन पंप लगाए जा रहे हैं। वहीं पानी की टंकी अभी रखी जा रही है।

आज खोड़ा नगर पालिका चेयरमैन मोहिनी शर्मा पांच पानी की टंकियां का उद्घाटन करेगी

करंट क्राइम। नगर पालिका में पानी की किल्लत को दूर करने के लिए वार्डों में पानी की टंकी रखी जा रही है। चेयरमैन मोहिनी शर्मा ने बताया कि गर्मी के चलते पानी के संकट को दूर करने के लिए हर सम्भव प्रयास किए जा रहे है। क्षेत्र में पांच पानी की टंकी रखवाई गई थी, और आज पानी की पांच टंकियां का भी उद्घाटन किया जा रहा है। इन पानी की टंकियां में नगर पालिका द्वारा दो टैंकरों से पानी की सप्लाई की जाएगी। जो निरंतर रूप से पानी की कमी नहीं होने दी जाएगी।

गणगौर भोलावणी पर्व की शोभायात्रा में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री शेखावत

दिखी मारवाड़ की सांस्कृतिक छटा

नई दिल्ली। दिल्ली रवाना होने से पहले शेखावत ने अपने निज निवास पर जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया। एयरपोर्ट पर रवाना होते समय उनकी भेंट कवि एवं अभिनेता शैलेश लोढ़ा से हुई। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सोमवार को जोधपुर में गणगौर भोलावणी पर्व की भव्य शोभायात्रा में सहभागी बने। देर रात तक, लगभग मध्य रात्रि दो बजे तक वे शहर के भीतरी क्षेत्र में निकली शोभायात्रा में उपस्थित रहे और इस पारंपरिक आयोजन की गरिमा को बढ़ाया।

शेखावत बाड़मेर, चौहटन और बालोतरा में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत के बाद देर रात जोधपुर पहुंचे। यहां वे सीधे अचलनाथ महादेव मंदिर के समीप शोभायात्रा में शामिल हुए। इस शोभायात्रा में उन्होंने गवर माता की भोलावणी रस्म में शिरकत की और शहरवासियों से मुलाकात की। बता दें कि पूरे मार्ग पर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। विभिन्न स्थानों पर लोगों ने शेखावत का गर्मजोशी से स्वागत किया। शोभायात्रा में नौबत, घोड़े, बग्गियां, पारंपरिक झांकियां और मधुर स्वरलहरियों ने माहौल को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया। इस दौरान मारवाड़ की पारंपरिक सांस्कृतिक झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दी। मंगलवार सुबह शेखावत ने सूरसागर स्थित मां दधिमती मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। यहां उन्होंने गणमान्य लोगों से भी मुलाकात की।

बाड़मेर प्रवास में आत्मीय स्वागत

अपने बाड़मेर, चौहटन और बालोतरा प्रवास के दौरान शेखावत का जगह-जगह जोरदार स्वागत हुआ। जोधपुर से लेकर बाड़मेर तक भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजन ने आत्मीयता और जोश के साथ उनका अभिनंदन किया। इस पर शेखावत ने सभी कार्यकताओं और समर्थकों का आभार जताया।

जनता से संवाद और शैलेश लोढ़ा से मुलाकात

दिल्ली रवाना होने से पहले शेखावत ने अपने निज निवास पर जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया। एयरपोर्ट पर रवाना होते समय उनकी भेंट कवि एवं अभिनेता शैलेश लोढ़ा से हुई। दोनों ने गर्मजोशी से गले मिलकर एक-दूसरे का हालचाल जाना और फिर दिल्ली के लिए रवाना हुए।

हिसार पहुंचे सीएम सैनी: एयरपोर्ट को लेकर अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, कांग्रेस सांसद जेपी को बनाया निशाना

हिसार। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को हरियाणा में दो बड़ी परियोजनाओं की सौगात देंगे। पीएम अपने विकसित भारत विजन को गति देने के लिए विकसित हरियाणा में यमुनानगर में 800 मेगावाट के थर्मल प्लांट का शिलान्यास करेंगे। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि एयरपोर्ट और एयरोड्रम में कोई अंतर नहीं होता। अगर हिसार के सांसद जेपी को इसका पता नहीं है तो गूगल सर्च करके देख लें। एयरपोर्ट का मतलब भी हवाई अड्डा होता है तथा एयरोड्रम का मतलब भी हवाई अड्डा होता है। 14 अप्रैल के बाद यहां से कॉमर्शियल हवाई सेवाएं शुरू हो रही हैं। पहले सप्ताह में दो दिन के लिए यह सेवा शुरू करेंगे। बाद में लोगों की डिमांड आएगी तो इसे प्रतिदिन के लिए कर देंगे। सीएम ने कहा कि एयरपोर्ट की सुरक्षा को लेकर किसी तरह का सवाल नहीं है। यह एयरपोर्ट जंगल के एरिया में बनाया गया है। इस कारण कुछ पशु इसमें रह गए होंगे। उन सभी को निकाल कर एयरपोर्ट को खाली करा लिया जाएगा।

पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों को जायजा लेने हिसार एयरपोर्ट पर पहुंचे थे। सीएम नायब सिंह सैनी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर सभी तैयारियां पूरी की जा रही है। किसी तरह की कोई कमी न रहे इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। हिसार में बनने वाले एयरपोर्ट का लाभ हरियाणा के साथ लगते पंजाब तथा राजस्थान के एरिया को भी होगा। हिसार में इस एयरपोर्ट के आने से विकास होगा। यहां कई तरह की इंडस्ट्रियल यूनिट आएंगी। हिसार से पहली फ्लाइट अयोध्या के लिए पहुंचेगी। पहली उड़ान महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से शुरू होकर महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर उतरेगी। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को हरियाणा में दो बड़ी परियोजनाओं की सौगात देंगे। पीएम अपने विकसित भारत विजन को गति देने के लिए विकसित हरियाणा में यमुनानगर में 800 मेगावाट के थर्मल प्लांट का शिलान्यास करेंगे।

सीएम बोले पाकिस्तान में तूफान आता तो हरियाणा में बिजली कटती थी

सीएम बोले कांग्रेस सरकार में बिजली बहुत कटती थी। पाकिस्तान में तूफान आता तो हिसार की बिजली कट जाती थी। आंधी में तार टूट जाती तो 15 दिन तक उसे जोड़ा नहीं जाता था। सीएम ने कहा कि वर्ष 2013-14 में भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार में 25 यूनिट बिजली खर्च करने पर 200 रुपये बिजल आता था।100 यूनिट पर 378, 150 यूनिट पर 603,200 यूनिट पर 828, 250 यूनिट पर 1053, 300 यूनिट पर 1316 का बिल आता था। हमारी आज की सरकार में 25 यूनिट पर 55,50 यूनिट पर 110,100यूनिट पर 245,150यूनिट पर 443,200 यूनिट पर 1230 बिल आता है। 2 किलोवाट तक खर्च करने वाले बीपीएल परिवारों के 15 हजार सोलर कनेक्शन दे चुके हैं।

हिमाचल के कई भागों में पांच दिन बारिश, चोटियों पर बर्फबारी के आसार

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कई भागों में पांच दिन बारिश की संभावना है। वहीं चोटियों पर हल्की बर्फबारी के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 8 अप्रैल को लाहौल-स्पीति और चंबा के ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी हो सकती है। शिमला में भी आज हल्के बादल छाए हुए हैं।

9, 10 और 11 अप्रैल को राज्य के चंबा, कुल्लू, कांगड़ा, लाहौल-स्पीति, किन्नौर और मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश-बर्फबारी हो सकती है। जबकि 10, 11 और 12 अप्रैल को निचले पर्वतीय-मैदानी क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना है। 13 अप्रैल से पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने का पूवार्नुमान है।

तापमान में आएगा ये बदलाव

अगले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होने की संभावना है, इसके बाद अगले 3-4 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने के आसार हैं। वहीं राज्य के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है। वहीं आज कुछ स्थानों पर गर्म हवाएं चलने का अलर्ट है।

प्राइवेट स्कूलों में फीस बढ़ोतरी पर सरकार सख्त... निजी स्कूलों का होगा ऑडिट, दोषी मिलने पर होगी एफआईआर

नई दिल्ली। फीस वृद्धि में मनमानी रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने 1,677 निजी स्कूलों के ऑडिट का फैसला किया है। हर जिले के एसडीएम के नेतृत्व में तीन सदस्यों की टीम स्कूलों का निरीक्षण और ऑडिट करेगी। दोषी मिलने पर मुकदमा दर्ज होगा। वहीं, दस दिन में स्कूलों की फीस बढ़ोतरी का ब्योरा शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर सार्वजनिक किया जाएगा। बढ़ी फीस अभिभावकों को वापस दिलाई जाएगी। बढ़ी फीस को लेकर अभिभावक सीधे ईमेल आईडी से निदेशालय को शिकायत कर सकेंगे। हाईकोर्ट में फीस मामलों की जल्द सुनवाई के लिए दिल्ली सरकार पैरवी करेगी। दिल्ली सचिवालय में शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निजी स्कूलों में ऑडिट के निर्देश दिए हैं। जांच कमेटी में एसडीएम, तहसीलदार और अकाउंट विभाग के लोग शामिल होंगे। शिक्षा मंत्री ने फीस वृद्धि पर पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में जिन स्कूलों ने 2024-25 तक फीस बढ़ाई है, उनका ऑडिट रिकॉर्ड मंगवाया गया है। सूद ने बताया, द्वारका स्थित निजी स्कूल ने पांच साल में 20, 13, 9, 8 व 7 फीसदी फीस बढ़ाई। डीएम कापसहेड़ा के नेतृत्व में इस स्कूल की जांच चल रही है।

अमित शाह का जम्मू-कश्मीर दौरा : विकास समीक्षा के बाद अब सुरक्षा पर होगी चर्चा

श्रीनगर। राजभवन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में दो घंटे की विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। सुरक्षा समीक्षा बैठक दो बजे शुरू होने की उम्मीद है। राजभवन में आज दो घंटे तक चली विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में समाप्त हुई। अधिकारियों के अनुसार, जम्मू और कश्मीर के विकास से संबंधित कई मुद्दों पर बैठक में चर्चा हुई और परियोजनाओं की प्रगति की जांच की गई।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बैठक में भाग लिया। बाद में, शाह ने अन्य महत्वपूर्ण अधिकारियों से मुलाकात की और राज्य की विकास योजनाओं पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दोपहर के भोजन के बाद बैठक के बाद सुरक्षा स्थिति की समीक्षा बैठक होगी, जो शायद 2 बजे शुरू होगी। इसमें कश्मीर की सुरक्षा स्थिति और आने वाली चुनौतियों पर चर्चा होगी। केंद्रीय गृह मंत्री शाह का तीन दिवसीय दौरा जम्मू और कश्मीर में जारी है, जिसमें सुरक्षा और विकास के मुद्दों पर व्यापक चर्चा हो रही है। राजभवन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में दो घंटे की विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। सुरक्षा समीक्षा बैठक दो बजे शुरू होने की उम्मीद है।

अप्रैल में ही जून जैसे हालात : दिल्ली-एनसीआर में लू की चेतावनी, पारा + 40 °C के पार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मौसम विभाग ने लू की चेतावनी जारी कर दी है। दिल्ली एनसीआर के इलाकों में लोगों को झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। 15 जिलों में लू के थपेड़े चलने की चेतावनी है। देश की राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर में मौसम विभाग ने लू की चेतावनी जारी कर दी है। अप्रैल के महीने में ही इस बार जून जैसे हालात हो गए हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि लोगों को लू के थपेड़ों का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए दिल्ली से सटे लगभग 15 जिलों में लू के थपेड़े चलने की चेतावनी जारी की है।

तपती गर्मी से राहत दे रही छतरी

40 के पार पहुंचा पारा

बीते सोमवार को इस सीजन में अधिकतम तापमान पहली बार 40 के पार चला गया। वहीं मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार दिन भर लू चलेगी। दिल्ली में सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 5.1 डिग्री सेल्सियस अधिक 40.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.2 डिग्री अधिक 20.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

सीजन का सबसे गर्म दिन रहा 7 अप्रैल

तापमान में बढ़ोतरी होने के कारण यह इस सीजन का सबसे अधिक गर्म दिन रहा। बीते साल अप्रैल में सबसे अधिक तापमान 27 अप्रैल को 40.5 और वर्ष 2023 में 18 अप्रैल को 40.6 डिग्री सेल्सियस रहा था। जबकि 2009 में 30 अप्रैल को और 2022 में 29 अप्रैल को तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। तापमान का ऑल टाइम रिकॉर्ड वर्ष 1941 में 29 अप्रैल का है, जब तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं 6 अप्रैल को अधिकतम तापमान 38.2 व 5 अप्रैल को 35.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं सोमवार को इस मौसम की पहली लू चली। लू की स्थिति तब बनती है जब अधिकतम तापमान 40 या उससे अधिक हो और सामान्य से चार से पांच डिग्री अधिक हो।

ऐसा देखा गया है कि अप्रैल के अंत में ही तापमान में बढ़ोतरी होती है लेकिन इस साल शुरूआत में ही गर्मी झुलसा रही है। मौसम विभाग ने मंगलवार व बुधवार को भी तापमान 40-42 डिग्री के बीच रहने और लू चलने की भविष्यवाणी की है।

बन रहा एक पश्चिमी विक्षोभ

वहीं आठ अप्रैल को एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में दस्तक दे रहा है, इसका असर 9 से 11 अप्रैल तक रहेगा। इस कारण से दस अप्रैल को आंशिक बादल छाने की संभावना है। जिससे हल्की बारिश होने की संभावना है। हालांकि इससे तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट ही होगी। पश्चिमी विक्षोभ का असर समाप्त होने के बाद तापमान में एक बार फिर से बढ़ोतरी होनी शुरू होगी।

'सरदार पटेल की विरासत हड़पना चाहती है भाजपा, उन्होंने ही संघ पर प्रतिबंध लगाया था', खरगे का आरोप

अहमदाबाद। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा और संघ पर सरदार पटेल की विरासत हड़पने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ देश के नायकों के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष के अनुसार, सरदार पटेल की विचारधारा संघ के खिलाफ थी और उन्होंने संघ पर प्रतिबंध भी लगाया था। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक मंगलवार को गुजरात में शुरू हुई। इस दौरान अपने भाषण में सरदार पटेल ने आरोप लगाया कि सरकार सांप्रदायिक भेदभाव पैदा करके असल मुद्दों से लोगों के ध्यान भटकाना चाहती है।

'सरदार पटेल ने संघ पर लगाया था प्रतिबंध'

खरगे ने दावा किया कि दोनों के बीच लगभग रोजाना पत्राचार होता था। नेहरू जी सभी मामलों में उनकी सलाह लेते थे। नेहरू जी पटेल साहब का बहुत सम्मान करते थे। अगर उन्हें कोई सलाह लेनी होती तो वे खुद पटेल जी के घर जाते थे।' उन्होंने कहा कि पटेल की विचारधारा आरएसएस के विचारों के विपरीत थी और उन्होंने संगठन पर प्रतिबंध भी लगाया था, लेकिन यह हास्यास्पद है कि आज उस संघ के लोग सरदार पटेल की विरासत पर दावा करते हैं।' खरगे ने दावा किया कि महात्मा गांधी और सरदार पटेल ने ही बाबा साहब आंबेडकर को संविधान सभा का सदस्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। खुद आंबेडकर ने 25 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में अपने अंतिम भाषण में कहा था कि 'कांग्रेस पार्टी के समर्थन के बिना संविधान नहीं बनाया जा सकता था। लेकिन जब संविधान बनाया गया, तो आरएसएस ने गांधीजी, पंडित नेहरू, डॉ आंबेडकर और कांग्रेस की खूब आलोचना की। उन्होंने रामलीला मैदान में संविधान और इन नेताओं के पुतले जलाए।

खरगे ने कहा कि 'कांग्रेस पार्टी संविधान और संविधान निमार्ताओं दोनों का सम्मान करती है और जानती है कि इसकी रक्षा कैसे करनी है।' उन्होंने कहा, 'सरदार पटेल साहब हमारे दिलों में, हमारे विचारों में बसते हैं। हम उनकी विरासत को आगे ले जा रहे हैं। हमने इसी सोच के साथ अहमदाबाद में सरदार पटेल संग्रहालय में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक आयोजित की है।' खरगे ने आगे आरोप लगाया कि आज भाजपा और संघ परिवार के लोग गांधी जी से जुड़ी संस्थाओं पर कब्जा कर रहे हैं और उन्हें उनके वैचारिक विरोधियों को सौंप रहे हैं।

'देश के नायकों के खिलाफ रची जा रही साजिश'

मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि 'पिछले कई वर्षों से देश के कई नायकों के खिलाफ सुनियोजित साजिश की जा रही है। कांग्रेस पार्टी के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है और ये माहौल वो लोग बना रहे हैं जिनके पास अपनी उपलब्धियों के तौर पर दिखाने के लिए कुछ नहीं है।' उन्होंने भाजपा-आरएसएस पर हमला करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान के तौर पर दिखाने के लिए उनके पास कुछ भी नहीं है। उन्होंने यह दिखाने की साजिश की कि सरदार पटेल और पंडित नेहरू के बीच अच्छे संबंध नहीं थे। जबकि सच्चाई यह है कि वे एक ही सिक्के के दो पहलू थे। कई घटनाएं और दस्तावेज उनके सौहार्दपूर्ण संबंधों के गवाह हैं।'

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

 ● नई दिल्ली। बुधवार 09 अप्रैल -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

गाजियाबाद में भाजपा की बड़ी समर्थक बनकर उभरी है गुर्जर बिरादरी

कई प्रमुख चेहरे हैं नैया में सवार, संगठन से लेकर सरकारी कृपा का है इंतजार

गाजियाबाद में गुर्जर पॉलिटिक्स भाजपा को एक बड़ा बैकअप दे रही है। लेकिन यहां पर एक सवाल यही है कि अगर गुर्जर समाज भाजपा का कोर वोटर है तो फिर उसे लोनी तक ही सीमित क्यों रखा गया है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनीति में जातीय संतुलन हर दल साधता है और राजनीति में हर बिरादरी अपनी भागीदारी भी तय करना चाहती है। राजनीति में एक नया मोड़ भाजपा की सियासत में आया है। भाजपा ने अपना कुनबा बढ़ाया और इस कुनबा एक्टेंशन प्रोग्राम में उसने कई नए चेहरों को साथ लिया और बिरादारी का भी समीकरण बदल दिया। अगर बात भाजपा की गुर्जर पॉलिटिक्स की करें तो गाजियाबाद में यहां कई गुर्जर चेहरों ने भाजपा को एक बेस दिया है।

एक संदेश दिया है और इन चेहरों ने भाजपा की सियासत को वोट से लेकर सपोर्ट तक पूरी तरह मजबूत किया है। कहा जा सकता है कि गाजियाबाद में गुर्जर पॉलिटिक्स भाजपा को एक बड़ा बैकअप दे रही है। लेकिन यहां पर एक सवाल यही है कि अगर गुर्जर समाज भाजपा का कोर वोटर है तो फिर उसे लोनी तक ही सीमित क्यों रखा गया है। अगर गुर्जर समाज का वोट हर विधानसभा में भाजपा को माईलेज दे रहा है तो फिर गुर्जर समाज को भी लोकसभा और दूसरी विधानसभाओं में माईलेज क्यों नहीं मिल रहा। ऐसा क्यों है कि केवल लोनी से ही गुर्जर समाज का चेहरा जिलाध्यक्ष होता है और लोनी से ही गुर्जर समाज के नन्द किशोर गुर्जर विधायक हैं। अगर गुर्जर समाज सियासी माईलेज दे रहा है तो फिर गुर्जर चेहरे सरकारी कृपा के पात्र क्यों नहीं बनते हैं। वो दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री क्यों नहीं बनते हैं। गुर्जर समाज पर जीडीए बोर्ड सदस्य वाली कृपा क्यों नहीं होती है। अगर गुर्जर बिरादरी का बैकअप मिल रहा है तो फिर गुर्जर समाज के चेहरों को भी भाजपा में बैकअप मिलना चाहिए। आज बात उन चेहरों की होगी जो अन्य दलों से भाजपा में आए और फिर उन्होंने यहां भाजपा को चुनावी जंग में एक अलग ही माइलेज दिया। यहां बात भाजपा के उन पुराने चेहरों की होगी जो उस समय से भाजपा का झंडा बुलंद कर रहे हैं जब ना मोदी लहर थी और ना योगी लहर थी। इन चेहरों ने भाजपा को एक माइलेज दिया है। इनमें कई प्रमुख चेहरें हैं और कई ऐसे हैं जो अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी से पूर्व विधायक रूप चौधरी की सियासत

करंट क्राइम। अगर गुर्जर चेहरों की बात करें और चुनाव की बात करें तो यहां पूर्व विधायक रूप चौधरी का नाम आएगा। रूप चौधरी उस दौर में भाजपा के टिकट पर विधानसभा का चुनाव जीते जब यहां खेकड़ा क्षेत्र भी शामिल होता था। रूप चौधरी पत्रकारिता से राजनीति में आए और गुर्जर समाज के सौम्य तथा कर्मठ चेहरे के रूप में उन्होंने खुद को स्थापित किया। शानदार वक्ता हैं और बड़ी बात ये है कि शब्दों का संतुलन साधना जानते हैं। राजनीति में अपने दम पर एक कीर्तिमान स्थापित करने वाले पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी का भी भाजपा की गुर्जर सियासत में बड़ा नाम है। उनकी पत्नी हेमलता चौधरी बागपत से विधानसभा का चुनाव जीतीं, विधायक रही हैं। खुद प्रशांत चौधरी एमएलसी रहे हैं। भाजपा में आने के बाद वो तब सीट से चुनाव लड़े और बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार गए, लेकिन प्रशांत चौधरी का कद इससे कम नहीं होता है क्योंकि वो गुर्जर समाज के उन नेताओं में हैं जिन्होंने सियासत में खुद को साबित किया है।

जिला पंचायत अध्यक्ष से लेकर नगर पालिका अध्यक्ष तक गुर्जर दबदबा

(करंट क्राइम)। अगर गुर्जर राजनीति की बात करें तो यहां गुर्जर महिलाओं का दबदबा रहा है और बड़े पदों पर उन्होंने वहां जीत हासिल की है जहां भाजपा पहले ये रण नहीं जीत पाती थी। जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर लक्ष्मी मावी ने जीत हासिल की। लक्ष्मी मावी लोनी के भाजपा नेता पवन मावी की पत्नी हैं। पवन मावी भाजपा में आए और उसके बाद उनकी पत्नी लक्ष्मी मावी ने जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीतकर अध्यक्ष पद के लिये दावेदारी की और ये चुनाव अपने नाम किया। इसके बाद खोड़ा नगर पालिका परिषद चेयरपर्सन के चुनाव को रीना भाटी ने जीता। रीना भाटी खोड़ा नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष रही हैं। इस तरह से ये गुर्जर दबदबा रहा है और यहां महिलाओं की बात करें तो भाजपा नेता ईश्वर मावी की पुत्रवधु अंशु मावी जिला पंचायत सदस्य हैं। इस तरह से लक्ष्मी मावी और रीना भाटी ने खुद को साबित किया वहीं भाजपा की राजनीति में गुर्जर महिलाओं की बात करें तो यहां महानगर की राजनीति में रेनू चंदेला का नाम आता है। ऊजार्वान नेता हैं और तेवरों के साथ राजनीति करती हैं। पार्टी के सभी आयामों में एक्टिव रहती हैं।

संगठन की राजनीति में जिला अध्यक्ष पद पर गुर्जर जलवा

करंट क्राइम। अगर संगठन की बात करें और गुर्जर राजनीति की बात हो तो यहां भाजपा में गुर्जर समाज ने अपनी ताकत दिखाई है और वैश्य-ब्राह्मणों की पार्टी कहे जाने वाली भाजपा में संगठन की जिले वाली कुर्सी गुर्जर समाज के हिस्से में आई है। यहां विधायक नंदकिशोर गुर्जर भाजपा के जिला अध्यक्ष रहे हैं। अगर मौजूदा दौर की बात करें तो लगातार दो बार से जिला अध्यक्ष की कुर्सी गुर्जर समाज के पास है। सतपाल प्रधान भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष हैं और वो पूर्व होने से पहले गाजियाबाद जिले में भाजपा की कमान संभाल रहे थे और एक बार फिर भाजपा ने जिला अध्यक्ष वाली कमान चैनपाल गुर्जर को दी है। चैनपाल गुर्जर भाजपा की कमान संभाल रहे हैं और इस तरह से जिले में जिलाध्यक्ष वाला जलवा गुर्जर बिरादरी के पास है।

श्यामवीर चौधरी, अशोक नागर और हातम सिंह नागर को मिलना चाहिए मौका

करंट क्राइम। अगर भाजपा में वरिष्ठता की बात करें तो यहां अशोक नागर पुराने भाजपाई हैं। वो विधान परिषद सदस्य का भी चुनाव लड़ चुके हैं। पार्टी के कई आंदोलनों में कई कार्यक्रमों में और चुनावों में उनकी सक्रिय भागीदारी रहती है। इस चेहरे पर कब कृपा होगी। वहीं श्यामवीर चौधरी भाजपा में आने के बाद से अपनी पारी का इंतजार कर रहे हैं। एक्टिव नेता हैं, गुर्जर समाज में अपना एक मुकाम है और उन्हें भी अपनी बारी का इंतजार है। यहां गुर्जर नेता मनोज भाटी भी सक्रियता और समर्पण में सबसे आगे हैं। हातम सिंह नागर, कांग्रेस से भाजपा में आये। वो जनरल वीके सिंह के बेहद करीबी नेताओं में माने जाते हैं। उन्हें किसान मोर्चा में पद भी मिला। वो टिकट की दावेदारी से लेकर संगठन में जिम्मेदारी तक प्रयासरत हैं। यही देखना है कि पार्टी इन चेहरों पर कब मेहरबान होती है।

नामित पार्षद सुरेंद्र नागर से लेकर निर्वाचित पार्षद उमेश नागर पप्पू तक कई नाम

(करंट क्राइम)। अगर भाजपा की गुर्जर सियासत में गाजियाबाद के चेहरों की बात करें तो यहां नामित पार्षद सुरेंद्र नागर का नाम आता है। लाइनपार क्षेत्र के एक्टिव भाजपाई हैं। संगठन में दायित्व रहा है, सरकार ने उन्हें नामित पार्षद बनाया और राजनीति के ट्रैक पर सुरेंद्र नागर की अपनी एक अलग और मजबूत पहचान है। पार्षदों की बात करें तो यहां उमेश नागर पप्पू का भी नाम आता है। संजयनगर से भाजपा पार्षद हैं। पहली बार भाजपा ने उन्हें टिकट दिया और वो उस वार्ड से जीते जहां कांग्रेस का कब्जा था। गुर्जर समाज के ये नेता आने वाले समय की इबारत भी लिख रहे हैं। यदि हम गुर्जर समाज के अन्य चेहरों की बात करें तो यहां पार्षद रामनिवास बंसल, कुलदीप कसाना, पूर्व पार्षद प्रवीण भाटी, राजकुमार नागर, गांधीनगर मंडल अध्यक्ष वरुण नागर, सुंदर भाटी सहित कई चेहरे हैं जिन्होंने गुर्जर राजनीति में अपने कदम मजबूती से स्थापित किये हैं और यहां उन्होंने भाजपा की राजनीति में गुर्जर राजनीति को एक अलग पहचान दी है।

गुर्जर राजनीति में पप्पू पहलवान, सचिन डेढ़ा, योगेश भाटी जैसे नाम

(करंट क्राइम)। गुर्जर राजनीति को अगर देश की सबसे बड़ी विधानसभा की ओर लेकर चले तो यहां एक बड़ा नाम भाजपा के निवर्तमान महानगर महामंत्री पप्पू पहवान का आता है। उनकी पत्नी ओमवती निगम पार्षद हैं। एक सियासी पहचान उन्होंने सामाजिक संस्था से लेकर सियासत के कार्यक्रमों से बनाई है। अपने दम पर बड़ा कार्यक्रम कराने की क्षमता रखते हैं। वो एक वार्ड के नहीं बल्कि कई वार्डों के नेता वाला हुनर रखते हैं। भाजपा में एक अलग पहचान बनाई है। नदिया पार की बात करें तो यहां पर भाजपा युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष सचिन डेढ़ा ने नदिया पार से एक स्थान हासित किया है, वो संगठन में रहे हैं। नदिया पार की गुर्जर राजनीति की बात होगी तो योगेश भाटी के नाम को इग्नोर नहीं किया जा सकता है। नदिया पार से गुर्जर राजनीति में कुलदीप कसाना, पूर्व पार्षद विनोद कसाना का नाम आता है।

नितिन मावी ने बनाई है अपनी पहचान

करंट क्राइम। गुर्जर राजनीति की बात करें तो भाजपा में गुर्जर समाज के युवा चेहरे नितिन मावी ने अपनी एक पहचान बनाई है। सदस्यता अभियान में उनकी शानदार उपलब्धि रही और भाजपा का ये युवा गुर्जर चेहरा आने वाले समय की गुर्जर राजनीति का बड़ा फेस कहा जा सकता है। नितिन मावी लगातार अपनी सक्रियता से क्षेत्र की राजनीति में प्रमुख चेहरा बन गए हैं। गुर्जर राजनीति के युवा चेहरों में उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। बड़ी बात ये है कि संगठन से जुड़कर चलते हैं। विचारधारा से अलग नहीं जाते हैं और खुद को किसी भी प्रकार के विवाद से दूर रखते हैं।

लोनी की सियासत और भाजपा के गुर्जर नेता

(करंट क्राइम)। अगर भाजपा को लोनी जैसे क्षेत्र में किसी बिरादरी ने पॉलिटिकल माइलेज दिया है तो वो बिरादरी गुर्जर है। यहां नंदकिशोर गुर्जर विधायक हैं, लेकिन गुर्जर समाज के अन्य नेताओं ने यहां भाजपा को सियासत बैकअप दिया है। अगर लोनी की बात करें तो पवन मावी ऐसे गुर्जर नेता हैं जिन्होंने अपनी पत्नी लक्ष्मी मावी को जिला पंचायत अध्यक्ष बनवाने में बड़ी भूमिका अदा की। यहां भाजपा नेता योगेंद्र मावी की अहम भूमिका रही है। सौम्य सवभाव के नेता है और संगठन की राजनीति के मास्टर हैं। राजनीति में अपनी एक क्लास है। गुर्जर चेहरों में ईश्वर मावी जिला पंचायत चुनाव में पुत्रवधु को जीत दिलवाने में कामयाब रहे हैं। अगर पूर्व की बात करें तो अनिल कसाना जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीते हैं। लोनी के पूर्व चेयरमैन डॉ विनोद बंसल भी भाजपा की सियासत का बड़ा चेहरा रहे हैं और उनको भी एक सियासी अवसर का इंतजार है।

पृथ्वी सिंह कसाना से लेकर करतार सिंह निठौरा का नाम

(करंट क्राइम)। गुर्जर राजनीति की बात हो और भाजपा के परिप्रेक्ष्य में हो तो यहां पृथ्वी सिंह कसाना का नाम पहले आता है। वो गुर्जर समाज के बौद्धिक नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। मूल रूप से वो लोनी से ही आते हैं। कई दायित्व उनके पास रहे हैं। यहां पर अगर भाजपा के पुराने गुर्जर नेताओं की बात हो रही है तो यहां करतार सिंह निठौरा का नाम आता है। करतार सिंह निठौरा गुर्जर राजनीति के सक्रिय चेहरे हैं। उनके पुत्र सतपाल निठौरा भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष रहे हैं। अगर बात इन चेहरों की है तो नदिया पार के सबसे पुराने भाजपाई चेहरे महेंद्र चौधरी के नाम को इग्नोर नहीं किया जा सकता। महेंद्र चौधरी भाजपा के पार्षद रहे हैं। इसके अलावा भाजपा के ही अतर सिंह गुर्जर समाज से हैं और वो भी भाजपा के पार्षद रहे हैं। बड़ी बात ये है कि ये चेहरे उस समय चुनाव जीते जब कोई लहर नहीं थी, तब इन्होंने भाजपा के हिस्से में जीत लाकर दी।

कब लगेगा यतेंद्र नागर का नंबर

(करंट क्राइम)। यतेंद्र नागर एमएमएच कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष रहे हैं। एबीवीपी के बैनर पर चुनाव जीते थे। भाजपा की राजनीति करते हैं। उनका नंबर कब लगेगा, इस बात का इंतजार है। हालांकि उन्हें इस दौरान संगठन में पद तो मिले हैं लेकिन अगर उनका सियासी कैरियर देखें तो उन पर कृपा होनी बाकी है।

चर्चा में है इन दिनों लोकसभा सांसद और मेयर के बीच की सियासी ट्यूनिंग

विकास को मिलती है गति जब जनप्रतिनिधियों की आपस में बनती है यूती

गाजियाबाद, करंट क्राइम। इन दिनों भगवागढ़ में जहां पॉवर सेंटर की बात सुनाई देती है। वहीं एक नई ट्यूनिंग भी दिखाई दे रही है। एक दौर था जब भगवागढ़ में जनप्रतिनिधियों के बीच कहीं एकता तो कहीं दूरियों वाला सीन था। लेकिन फिर सब एकजुट हुए और फिर पॉवर सेंटर की बात आई और इन दिनों चर्चा में जो चल रही है वो लोकसभा सांसद अतुल गर्ग और मेयर सुनीता दयाल के बीच की ट्यूनिंग है। हालांकि भाजपाई सियासत के लोग इसे विकास के लिए अच्छा संकेत मानते हैं। उनका कहना है कि जब लोकसभा सांसद और मेयर के बीच मुद्दों पर सहमति बनेगी तो इसका लाभ जनता को होता है। विकास की डोर

मजबूत होती है। कई बार ये होता है कि कोई व्यक्ति सांसद के पास गया और उसका मसला निगम का है और कई बार कोई व्यक्ति मेयर के पास गया और उसकी संसदीय क्षेत्र की है तो ट्यूनिंग ऐरर होने पर दोनों ही मामले को टाल देते हैं और इससे आम आदमी को ज्यादा भागदौड़ करनी होती है। अगर टयूनिंग सही हो तो फिर जनप्रतिनिधि क्षेत्र वाला पेंच आने के बाद भी इंटरेस्ट लेते हैं। पत्र लिखते हैं और किन्हीं मामलों में तो फोन भी कर देते हैं। इन दिनों भगवागढ़ में सांसद अतुल गर्ग और मेयर सुनीता दयाल की ट्यूनिंग को देख कर भाजपा के लोगों को वो समय भी याद आता है जब यहां जनप्रतिनिधियों के बीच ट्यूनिंग ऐरर था। ट्यूनिंग कितनी जबरदस्त चल रही है। इसका गवाह दैनिक करंट क्राइम भी बना है और टेलीफोनिंग ट्यूनिंग का मुलाहिजा हुआ। दैनिक करंट क्राइम में जब मेयर सुनीता दयाल को अपने यहां कार्यक्रम में आमंत्रित करते उनसे पधारने का अनुरोध किया तो मेयर सुनीता दयाल ने बताया कि उनकी लोकसभा सांसद अतुल गर्ग से बात हो गई है और हम लोग साथ ही आयेंगे। इसके बाद जब करंट क्राइम ने लोकसभा सांसद अतुल गर्ग को फोन किया और उनसे कार्यक्रम में पधारने का अनुरोध किया तो उन्होंने भी तत्काल कहा कि उनकी मेयर सुनीता दयाल से बात हो चुकी है और हम लोग लगभग साथ ही पहुंचेंगे। जहां कभी दूरियों का एहसास हुआ करता था वहां अब ट्यूनिंग फाईन दिखाई दे रही है। दोनों ही जनप्रतिनिधियों ने अब पुरानी बातों को दर किनार कर विकास के ट्रैक को ट्रैक कर लिया है और जनप्रतिनिधियों की इस ट्यूनिंग का लाभ जनता को मिलना ही है।

एनसीआर बोर्ड बैठक में भी पहुंचे थे साथ-साथ

करंट क्राइम। राजनीति में पुरानी कहावत है कि यहां कोई भी स्थाई दोस्त नहीं होता और कोई भी स्थायी दुश्मन नहीं होता। राजनीति में हालात से ही सबकुछ मुमकिन होता है। ऐसे में ये जो ट्यूनिंग हुई है। इसका मेन क्रेडिट तो उस पार वालों को ही जायेगा। भाजपा वाले भी कह रहे हैं कि जब उधर वाला पॉवर सेंटर अपने टॉवर बनायेगा तो फिर इधर वाला पॉवर सेंटर भी अपनी फ्रीक्वेंसी को बढ़ा देगा। ऐसे में ये ट्यूनिंग सियासी परिस्थितियों की भी देन हो सकती है। फिलहाल इस ट्यूनिंग का मजा पूरी भाजपा ले रही है। बीते दिनों जब एनसीआर बोर्ड में जाने की बात थी तो भले ही उस पार वालों ने डिस्टेंस बनाया हो लेकिन निगम वालों ने पूरा साथ दिया और वो साथ ही इस बैठक में भी पहुंचे।

गर्मी ने दिखाए तेवर, तापमान पहुंचा 38 डिग्री सेल्सियस

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद के साथ ही एनसीआर में मंगलवार को भीषण गर्मी रही। अप्रैल माह का पहला सप्ताह ही बीता है और तापमान अभी से 40 डिग्री सेल्सियस पहुंचने का पूर्व अनुमान है। सुबह के समय भी तापमान में बढ़ोत्तरी हुई है। सुबह न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दिन का तापमान 40 डिग्री पहुंचने का पूवार्नुमान है। दिन व रात के तापमान में आधे का अंतर हो चुका है। आज

हवा की गति 8 किमी प्रति घंटा से है। आज एनसीआर में हवा थोड़ी साफ हुई है।

एनसीआर में तापमान बढ़ने के साथ गर्मी

करंट क्राइम : 6 अप्रैल से एनसीआर में तापमान बढ़ना शुरू हुआ। जहां 6 अप्रैल को तापमान 38 डिग्री तक पहुंचा। अप्रैल माह का पहला वीक बीत चुका है और भीषण गर्मी पड़ रही है। जैसे ही हवा की गति अधिक होगी तो दिन में लू के थपेड़ों का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक जाएगा।

संपादकीय

फर्जी डिग्री दिखाकर बना अस्पताल में चिकित्सक

ऐसी घटनाएं शहरों से लेकर दूरदराज के इलाकों में भी देखी जाती रही हैं, जहां लोग स्थानीय स्तर पर ऐसे डाक्टरों से इलाज कराते रहे हैं, जिनके पास चिकित्सा की कोई वैध डिग्री नहीं होती। इस समस्या से निपटने के लिए लंबे समय से कवायदें होती रही हैं।

देश में झोलाछाप डाक्टरों को लेकर अक्सर चिंता जताई जाती रही है। मगर मध्यप्रदेश के दमोह जिले के एक अस्पताल में सामने आई घटना से यही पता चलता है कि कोई ठग न केवल साधारण लोगों को, बल्कि पूरे चिकित्सा तंत्र को कितनी आसानी से झांसे में ले सकता है। दमोह के एक अस्पताल में एक शख्स ने ब्रिटेन के एक मशहूर चिकित्सक के नाम का फर्जी तरीके से इस्तेमाल किया और बड़े आराम से हृदय रोग के कई मरीजों का आपरेशन कर डाला। उसने जिन लोगों के हृदय का आपरेशन किया, उनमें सात लोगों की जान चली गई। तब जाकर यह मामला किसी तरह खुल सका। मगर संबंधित महकमों को इस बात की जानकारी होने के बावजूद वह फरार हो गया। आरोप है कि मौत के मामलों की सूचना पुलिस को नहीं दी गई, शवों का परीक्षण नहीं कराया गया और मृत व्यक्तियों के परिजनों से मोटे पैसे भी वसूले गए। अगर ये आरोप सही हैं तो इस फजीवाड़े में अस्पताल प्रबंधन के शामिल होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

सरकारी व्यवस्था पर उठ रहे सवाल सवाल है कि फर्जी पहचान और डिग्री के साथ इतने दिनों तक कोई शख्स कैसे किसी अस्पताल में दिल के मरीजों का आपरेशन करता रहा। उसे वहां जिम्मेदारी सौंपने से पहले क्या उसकी वास्तविकता और डिग्रियों के बारे में कोई छानबीन की गई थी? सिर्फ ब्रिटेन का मशहूर डाक्टर होने का हवाला देने से उसे अस्पताल में इतनी अहम भूमिका कैसे दे दी गई? यह एक ठग की चालाकी हो सकती है, लेकिन सवाल है कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल में किसी डाक्टर को काम पर रखने की जवाबदेही से जुड़े तंत्र ने किस प्रक्रिया के तहत उसे इतनी संवेदनशील भूमिका सौंपी थी।

पेट्रोल-डीजल और गैस के बढ़े दामों विपक्ष ने उठाए सवाल, सरकार वैश्विक स्थिति का दे रही हवाला ऐसी घटनाएं शहरों से लेकर दूरदराज के इलाकों में भी देखी जाती रही हैं, जहां लोग स्थानीय स्तर पर ऐसे डाक्टरों से इलाज कराते रहे हैं, जिनके पास चिकित्सा की कोई वैध डिग्री नहीं होती। इस समस्या से निपटने के लिए लंबे समय से कवायदें होती रही हैं। पर फर्जी तरीके से एक अस्पताल में बहाल डाक्टर के हृदय का आपरेशन करने के मामले ने समूचे सरकारी तंत्र की जांच प्रक्रिया और उसके कामकाज की शैली पर सवाल उठाया है।

'टैरिफ' के नुकसान की बाजार में कुछ हद तक भरपाई

सेंसेक्स 1089 अंक चढ़ा, निफ्टी 22500 पार

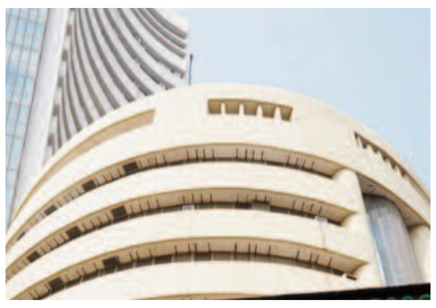

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार ने सोमवार को हुए भारी नुकसान में थोड़ी भरपाई मंगलवार को कर ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ के एलान के बाद दुनियाभर के बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट दिखी थी। आइए जानते हैं शेयर बाजार का विस्तृत हाल।

घरेलू शेयर बाजार ने सोमवार को हुए भारी नुकसान में थोड़ी भरपाई मंगलवार को कर ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ के एलान के बाद दुनियाभर के बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट दिखी थी। हालांकि, मंगलवार को वैश्विक बाजार में सकारात्मक रुख दिखा। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को एक दिन पहले 10 महीने में सबसे बुरी गिरावट आई थी। मंगलवार को एशियाई और यूरोपीय बाजारों में तेजी के बीच चौतरफा खरीदारी से सेंसेक्स 1,089 अंक ऊपर चढ़कर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स तीन दिन की गिरावट पर विराम लगाते हुए 1,089.18 अंक या 1.49 प्रतिशत उछलकर 74,227.08 अंक पर बंद हुआ। इसके 29 शेयर लाभ में रहे। कारोबार के दौरान यह 1,721.49 अंक या 2.35 प्रतिशत चढ़कर 74,859.39 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 374.25 अंक या 1.69 प्रतिशत बढ़कर 22,535.85 पर पहुंच गया, जिससे तीन दिन से जारी गिरावट थम गई। कारोबार के दौरान बेंचमार्क 535.6 अंक या 2.41 प्रतिशत बढ़कर 22,697.20 पर पहुंच गया।

सोमवार को सेंसेक्स 2,226.79 अंक या 2.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ था। निफ्टी में 742.85 अंक या 3.24 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। यह 10 महीनों में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट थी। अमेरिकी टैरिफ युद्ध के बाद मंदी की आशंकाओं के कारण वैश्विक शेयर बाजारों में भारी गिरावट आई थी। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, ₹सकारात्मक वैश्विक बाजार संकेतों ने स्थानीय बेंचमार्क में भारी सुधार में मदद की, क्योंकि अमेरिकी व्यापार शुल्कों पर चिंताएं थोड़ी कम हो गईं। उम्मीद है कि अधिकांश देश चुनौती से निपटने के तरीके खोज लेंगे। भारत मुख्य रूप से उपभोग- आधारित अर्थव्यवस्था है, इसलिए अमेरिकी शुल्क प्रभाव अन्य देशों की तुलना में देश को बहुत अधिक नुकसान नहीं पहुंचा सकता है। पावर ग्रिड को छोड़कर सेंसेक्स की सभी कंपनियाँ बढ़त के साथ बंद हुईं। टाइटन, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, लार्सन एंड टूब्रो, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स और जोमैटो में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई। सोमवार की गिरावट के बाद विश्व बाजारों में भी वापसी हुई। एशियाई बाजारों में, टोक्यो का निक्केई 225 सूचकांक, हांगकांग का हैंग सेंग, शंघाई एसएसई कंपोजिट सूचकांक और दक्षिण कोरिया का कोस्पी सोमवार को तेज गिरावट के बाद सकारात्मक दायरे में बंद हुए। निक्केई 225 सूचकांक में 6 प्रतिशत की उछाल आई। यूरोपीय बाजारों में भी बढ़त दिखी। अमेरिकी बाजार सोमवार को ज्यादातर गिरावट के साथ ही बंद हुए थे।

ईडी ने कर्नाटक में 10 जगहों पर की छापेमारी

जिला सहकारी बैंक घाटाले से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को जिला सहकारी बैंक घोटाले के सिलसिले में कर्नाटक के बेंगलुरु और शिवमोग्गा में 10 स्थानों पर छापेमारी की।

एजेंसी ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत विशिष्ट इनपुट के आधार पर बेंगलुरु और शिवमोग्गा में एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया गया गया। यह अभियान जिला सहकारी बैंक से जुड़े एक कथित घोटाले की चल रही जांच का हिस्सा है। अधिकारियों के अनुसार, तलाशी का उद्देश्य सहकारी बैंक से जुड़े संदिग्ध वित्तीय अनियमितताओं और धन शोधन से जुड़े साक्ष्य जुटाना है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी तीन बैंकों के संचालन के भीतर धन की हेराफेरी की रिपोर्ट के बाद कई सुरागों पर नजर रख रहा है। इन सहकारी बैंकों में बंगलूरू के श्री गुरु राघवेंद्र सहकारी बैंक लिमिटेड, श्री वसिष्ठ क्रेडिट सौहार्द सहकारी लिमिटेड और श्री गुरु सर्वबाहुमा सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव का नाम शामिल है।

इनकम टैक्स वाले नहीं आएंगे... लाभार्थी हिचकिचाए तो पीएम ने दिया भरोसा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को पीएम मुद्रा स्कीम के लाभार्थियों से मिले। इस दौरान हंसी-मजाक का दौर भी खूब चला। कार्यक्रम के दौरान पीएम ने केरल के एक लाभार्थी को कुछ ऐसा कह दिया, जिससे वहां मौजूद सभी लोग ठहाके लगाने लगे। पीएम केरल के उस लाभार्थी से बात कर रहे थे, जो मुद्रा योजना के तहत मदद लेकर पीएम सूर्य घर योजना के तहत अपने व्यवसाय का संचालन कर रहे हैं। केरल के लाभार्थी ने दुबई से लौटकर पीएम मुद्रा योजना के तहत की उद्यम की शुरूआत इससे पहले पीएम ने उक्त लाभार्थी से पूछा कि वे दुबई से यहां क्यों लौट आए? इस पर लाभार्थी ने जवाब दिया कि दुबई में रहने के दौरान उन्हें पीएम मुद्रा योजना के बारे में पता चला। इसके बाद अपना उद्यम शुरू करने के लिए वे वहां से नौकरी छोड़कर देश लौट आए और मुद्रा स्कीम के तहत सरकार से मदद लेकर पीएम सूर्य घर योजना के तहत उद्यम की शुरूआत की।

पीएम ने मजाकिया लहजे में कहा- वित्त मंत्री से कह दूंगा, इनकम टैक्स वाले नहीं आएंगे

पीएम ने उक्त लाभार्थी से जब उनकी कमाई के बारे में पूछा, तो वे बताने में हिचकिचाने लगे। इसके जवाब में पीएम ने कहा कि आप चिंता न करें। बगल में वित्त मंत्री (पंकज चौधरी) बैठे हैं, मैं उनसे कह दूंगा, आपके घर इनकम टैक्स वाले नहीं आएंगे। पीएम के इतना कहते ही सभागार में मौजूद सभी लोग ठहाके लगाने लगे। इसके बाद, उक्त लाभार्थी ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना से जुड़ा व्यवसाय चलाते हुए उन्हें हर महीने करीब दो से ढाई लाख रुपये की आमदनी हो जाती है।

बाजार में बड़ी गिरावट के हर बार चमका है सोना

घबराहट के कारण बिकवाली, कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक नीतियों के कारण भारतीय शेयर बाजार में भी भारी बिकवाली देखी गई। सोना 1,550 रुपये सस्ता हुआ है, जबकि चांदी की कीमत 3,000 रुपये घटी है। एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि बाजार में बड़ी गिरावट के सोना हर बार चमका है, लेकिन इस बार कीमतों में गिरावट देखी गई है। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली से सोमवार को दिल्ली सराफा बाजार में सोना 1,550 रुपये सस्ता होकर 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआ। चांदी की कीमत में भी 3,000 रुपये की भारी

गिरावट रही और यह 93,000 के नीचे 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बंद हुई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 93,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 95,500 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बंद हुई थी। शेयर बाजार और अन्य परिसंपत्ति वर्गों में घबराहट के कारण मुनाफावसूली से कीमती धातुओं पर बढ़ा दबाव-92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से नीचे पहुंचा सोना सराफा कारोबारियों का कहना है कि आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की भारी बिकवाली से सोने की कीमतों में गिरावट आई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटी) सौमिल गांधी ने कहा, शेयर बाजार और अन्य परिसंपत्ति वर्गों में घबराहट के कारण बिकवाली जारी रहने से सुरक्षित निवेश वाली कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 10.16 डॉलर गिरकर 3,027.20 डॉलर प्रति औंस रहा।

चांदी पांच सत्र में 10,500 रुपये सस्ती

चांदी की कीमतों में लगातार पांच कारोबारी सत्रों से गिरावट जारी है। इस दौरान चांदी 10,500 रुपये सस्ता होकर एक लाख रुपये के स्तर से नीचे आ गई। वहीं, सोना पिछले दो कारोबारी सत्रों में 2,900 रुपये सस्ता हुआ है।

रोचक तथ्यों का करंट

- दुनिया में 11 प्रतिशत लोग बाएं हाथ का इस्तेमाल करते हैं।
- अगस्त में सबसे ज्यादा लोग पैदा होते हैं।
- खाने का स्वाद उसमें सलाइवा (लार) मिलने के बाद ही आता है।
- औसतन लोग बिस्तर में जाने के 7 मिनिट में सो जाते हैं।
- भालू के 42 दांत होते हैं।
- शुतुरमुर्ग की आंख उसके दिमाग से बड़ी होती है।
- नींबू में स्ट्राबेरी के मुकाबले अधिक शक्कर होती है।
- आठ प्रतिशत लोगों में एक अतिरिक्त पसली होती है।
- दुनिया के 85 प्रतिशत पौधे समुद्र के अंदर होते हैं।
- हवायन अल्फाबेट सिर्फ 13 होते हैं।
- मिक्की माउस का इटली में नाम टोपोलिनो है।
- एक केकड़े का खून रंगहीन होता है। ऑक्सीजन मिलने के बाद यह नीला हो जाता है।
- पक्षियों को निगलने के लिए ग्रेविटी की जरूरत होती है।
- अंग्रेजी अल्फाबेट का सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला लेटर ए है। विश्व की दो सबसे अधिक कॉमन इस्तेमाल होने वाली भाषाएं मैंड्रियन चायनीज, स्पैनिश और अंग्रेजी है।

राशिफल

मेष: बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि मनोनुकूल लाभ देंगे।

वृष: नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। शत्रुभय रहेगा।

मिथुन: बुद्धि का प्रयोग करें। चिंता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट-कचहरी व सरकारी कार्यालयों में रुके कार्य मनोनुकूल रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क: धनहानि हो सकती है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट हो सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। विवाद से क्लेश हो सकता है।

सिंह: जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। प्रेम-प्रसंग अनुकूल रहेंगे। कोर्ट-कचहरी व सरकारी कार्यालयों में अटके काम पूरे हो सकते हैं।

कन्या: शत्रु पस्त होंगे। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे।

तुला: परिवार के एकाधिक सदस्यों की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व रोग से कष्ट संभव है। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है।

वृश्चिक: पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं गुम हो सकती हैं, संभालकर रखें। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु: किसी अनहोनी के होने की चिंता रहेगी। स्वास?थ्य पर खर्च हो सकता है। पुराने किए गए प्रयासों का फल अब मिल सकता है।

मकर: घर में वृ?द्ध व्यक्तियों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। ने?त्र पीड़ा हो सकती है। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कुंभ: व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: राज्य की तरफ से दिक्कत हो सकती है। विवाद करने व जल्दबाजी से बचें। नेत्र पीड़ा हो सकती है। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है।

चुटकुले

लड़का- तुम्हें मेरे अंदर सबसे अच्छी बात क्या लगती है?
लड़की- लोग समय के साथ बदल जाते हैं,
पर तुम नहीं बदले।
लड़का- वो कैसे?
लड़की- जब मैं तुमसे मिली थी तब भी तुम बेरोजगार थे और आज भी बेरोजगार हो।

चिंटू- पापा क्या मैं बेकार हूं?
पापा- बेटा तू तो करोड़ों का है...
चिंटू- तो उसी करोड़ों में से 25000 रुपये देना, गोवा घूमने जाना है।
फिर पापा ने चिंटू पर की चप्पलों की बरसात कर दी और खूब धोया।

पिंटू ने दोस्त से कहा- एक जमाना था जब मैं 10 रुपए लेकर बाजार जाता था और किराना, सब्जी, दूध सब ले आता था।
चिंटू- अब जमाना बदल गया है, आजकल हर दुकान पर सीसीटीवी कैमरे लगे रहते हैं।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

09 04 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

स्वरा भास्कर (अभिनेत्री)

अर्चना राय | चतर सिंह | प्रवीण तोमर | अक्षित शर्मा | अभिषेक सिंह

अजय गुप्ता | अरूणेश शर्मा | इमरान मलिक | संजीव त्यागी | हिमांशु बंसल

सूरज पंडित | विभोर अग्रवाल | नन्दलाल | अक्षित शर्मा | किरण पाल

पंकज कुमार | प्रवीण तोमर | रूप चंद | दीपक पारचा | शिवम राय

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

पांच बार के विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए इस आईपीएल में कुछ कर गुजरने का वक्त, कॉन्वे और रचिन को दिखाना होगा कमाल

मुल्लांपुर। पांच बार के विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए इस आईपीएल में कुछ कर गुजरने का वक्त आ गया है। लगातार तीन मैच हार चुके सुपरकिंग्स की आईपीएल सत्र में यह सबसे खराब शुरूआत में से एक है। तीनों मैच उसने लक्ष्य का पीछा करते हुए हारे हैं। इसके लिए कहीं न कहीं दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी को भी जिम्मेदार माना जा रहा है। डेथ ओवर में अब तक उस पुराने धोनी की चमक नहीं दिखी है, जिसके लिए वह मशहूर रहे हैं।

कॉन्वे और रचिन को दिखाना होगा कमाल

सीएसके जब मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी तो उसे ही नहीं बल्कि उसके प्रशंसकों को भी उम्मीद होगी कि धोनी का बल्ला एक बार फिर धमाल मचाएगा। चेन्नई यह भी उम्मीद करेगा कि उसे डेवन कॉन्वे और रचिन रवींद्र की सलामी जोड़ी से दमदार शुरूआत मिले। वहीं, पंजाब किंग्स को अपने पिछले मैच में राजस्थान के खिलाफ घरेलू मैदान पर हार जरूर मिली, लेकिन मौजूदा फॉर्म के लिहाज से श्रेयस अय्यर की टीम सुपरकिंग्स पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है। चेन्नई की बड़ी कमजोरी अब तक विजयी संयोजन नहीं ढूंढ पाना रहा है। वह अब तक 17 क्रिकेटरों को आजमा चुके हैं।

डेथ ओवरों में नहीं दिख रही धोनी की चमक : डेथ ओवरों में धोनी की मौजूदगी एक समय वरदान मानी जाती थी, लेकिन इस सत्र में यह यलो ब्रिगेड को रास नहीं आ रहा है। अपना 18वां सत्र खेल रहे धोनी का रुतबा ऐसा है कि टीम में कोई भी उन्हें आईना नहीं दिखा सकता। धोनी अब भी चेन्नई के प्रशंसकों के दिलों पर राज कर रहा है। जब वे मैदान पर उतरते हैं तो उनके नारे लगते हैं, पर दिल्ली के खिलाफ मैच समर्थकों की आंख खोलने वाला था।

चहल की फॉर्म पर रहेंगी निगाहें : पंजाब को कप्तान श्रेयस से तो उम्मीद होगी ही, साथ में लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल के फॉर्म में आने की भी उसने उम्मीदें लगा रखी होंगी। चहल का धोनी के खिलाफ प्रदर्शन शानदार रहा है। विभिन्न आईपीएल मैच में चहल और धोनी 10 मौकों पर आमने-सामने आए हैं और हरियाणा के लेग स्पिनर ने उन्हें पांच बार आउट किया है। पंजाब के लिए अच्छी बात यह है कि श्रेयस और प्रभसिमरन के अलावा नेहल वढेरा भी फॉर्म में हैं। वढेरा ने पिछले मैच में अपनी पारी से प्रभावित किया था।

दोनों टीमों के बीच आंकड़े

चेन्नई और पंजाब के बीच अब तक कुल 30 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 16 मैच चेन्नई और 14 मैच पंजाब ने जीते हैं। पंजाब उन टीमों में से है जिसने चेन्नई को खूब तंग किया है।

गावस्कर ने दिनेश कार्तिक को सराहा, रजत-विराट में अंतर बताया

'कोहली इस सत्र अलग मानसिकता से उतरे हैं'

गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के खराब फॉर्म में चल रहे सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा से भी अपने शॉट चयन पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा, 'रोहित जब पावरप्ले में आउट हो जाते हैं तो दुख होता है।'

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने चार मैचों में तीसरी जीत हासिल की। टीम छह अंक लेकर फिलहाल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। इस सीजन बेंगलुरु ने अपना कप्तान बदला था और रजत पाटीदार को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब तक उनके नेतृत्व में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। रजत आईपीएल में ऐसे पहले कप्तान भी बन गए, जिन्होंने मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को एक ही सीजन में उसके घर में हराया हो। अब महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने रजत की तारीफ की है। साथ ही उनके और कोहली के बीच कप्तानी के अंतर को भी बताया है।

'कप्तान के रूप में रजत ने अच्छा काम किया है'

गावस्कर ने कहा कि उनके सहज रवैए ने टीम को वर्षों की निराशा के बाद आखिरकार आईपीएल में सफलता की राह खोजने में मदद की है। गावस्कर ने जियोस्टार से कहा, 'कप्तान के रूप में पाटीदार सहज नजर आते हैं। उनकी टीम ने 17 वर्षों में खिताब नहीं जीता है और अब उसके खिलाड़ी समझते हैं कि जीतने के लिए क्या करने की जरूरत है। एक सहज और संयमित कप्तान के साथ टीम के साथ जुड़े अन्य लोग भी अपना पूरा योगदान दे रहे हैं।'

गावस्कर ने मेंटर दिनेश कार्तिक की तारीफ की

गावस्कर ने आरसीबी के मेंटर दिनेश कार्तिक की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'रजत के पास कई सीनियर्स हैं जो हमेशा मदद करने के लिए तैयार रहते हैं। उनके पास मजबूत सहयोगी स्टाफ है। आरसीबी के सहयोगी स्टाफ में दिनेश कार्तिक जैसा व्यक्ति है जिनके प्रभाव के बारे में लोग पर्याप्त बात नहीं करते हैं। कार्तिक उस तरह के इंसान हैं जो युवा खिलाड़ियों के साथ समय बिताना पसंद करते हैं। उनका मार्गदर्शन करते हैं और उन्हें इनपुट देते हैं। रजत भाग्यशाली हैं कि उन्हें एक ऐसी टीम मिली है जो सफलता के लिए भूखी है।'

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि विराट कोहली की लंबे शॉट खेलने की इच्छा ने उन्हें और भी बड़ा खतरा बना दिया है। उन्होंने कहा, 'कोहली इस सत्र अलग मानसिकता से उतरे हैं। वह शुरू से ही बड़े शॉट की कोशिश कर रहे हैं। पहले वह अपनी पारी में जमने के बाद इस तरह के शॉट खेलते थे, लेकिन अब वह पहली गेंद से जोखिम लेना चाहते हैं और इससे बहुत बड़ा अंतर आ रहा है।'

गावस्कर ने रोहित को दी खास सलाह : गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के खराब फॉर्म में चल रहे सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा से भी अपने शॉट चयन पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा, 'रोहित जब पावरप्ले में आउट हो जाते हैं तो दुख होता है। फिर चाहे वह मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे हों या भारत के लिए। मुझे लगता है कि उनके शॉट चयन में सुधार की जरूरत है।'

केकेआर-लखनऊ के बीच मैच में नरेन और दिग्वेश के बीच होगा मुकाबला, ऋषभ पंत पर होगी खास नजरें

कोलकाता। गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच मंगलवार को आईपीएल 2025 का मुकाबला खेला जाएगा। आईपीएल में मंगलवार को दो मैच होंगे क्योंकि केकेआर और लखनऊ के बीच रविवार को खेले जाने वाला मुकाबला रिशेड्यूल कराना पड़ा था। इन दोनों टीमों के बीच मैच में सुनील नरेन और दिग्वेश राठी के बीच भी मुकाबला देखने मिलेगा।

नरेन के बड़े प्रशंसक हैं दिग्वेश

दिग्वेश केकेआर के अनुभवी ऑलराउंडर नरेन के बड़े प्रशंसक हैं, लेकिन यह दोनों एक दूसरे के खिलाफ खेलेंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि नरेन और दिग्वेश के बीच मुकाबले में कौन किस पर भारी पड़ता है। केकेआर और लखनऊ ने अब तक मिलाजुला प्रदर्शन किया है और दोनों ही टीमों ही टीम के अब तक दो-दो जीत से चार-चार अंक हैं। केकेआर और लखनऊ ने अपने पिछले मुकाबले जीते थे, इसलिए दोनों टीमें अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

वेंकटेश का फॉर्म में लौटने से केकेआर को मिली राहत : कोलकाता ने अपना पिछला मुकाबला इसी मैदान पर खेला था और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज की थी। इसलिए इस बात की संभावना कम ही है कि वह अपनी प्लेइंग-11 में कोई बदलाव करेगी। केकेआर के लिए राहत की बात यह है कि उसके सबसे महंगे खिलाड़ी वेंकटेश अय्यर फॉर्म में लौट आए हैं, जबकि रिंकू सिंह और कप्तान अजिंक्य रहाणे ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। युवा अंगकृष रघुवंशी ने भी प्रभावित किया। केकेआर के लिए हालांकि सलामी जोड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। क्विंटन डिकॉक और सुनील नरेन पिछले सत्र में फिल सॉल्ट की तरह टीम को आक्रामक शुरूआत देने में नाकाम रहे हैं।

पंत का फॉर्म में लौटना जरूरी : लखनऊ के लिए चिंता की बात यह है कि उसके कप्तान ऋषभ पंत का बल्ला अभी तक नहीं चला है। पंत आईपीएल नीलामी में बिकने वाले सबसे महंगे खिलाड़ी हैं, लेकिन अब तक उस स्तर का प्रदर्शन नहीं कर सके हैं।

पाकिस्तान को धूल चटाने के बाद न्यूजीलैंड के कोच ने अचानक दिया इस्तीफा, फैसले से चौंके ब्लैक-कैप्स

वेलिंगटन। एक तरफ आईपीएल 2025 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है तो दूसरी तरफ न्यूजीलैंड क्रिकेट में भूचाल आ गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने अचानक से वनडे और टी20 प्रारूप की कोचिंग से इस्तीफा दे दिया है।

ज्यादातर स्टार कीवी खिलाड़ी फिलहाल आईपीएल में व्यस्त हैं। स्टीड की देखरेख में न्यूजीलैंड ने हाल ही में पाकिस्तान को अपने घर में धूल चटाई थी। उनकी देखरेख में कीवियों ने टी20 सीरीज 4-1 से और वनडे सीरीज 3-0 से अपने नाम की थी। हालांकि, उनके अचानक लिए गए फैसले से न्यूजीलैंड क्रिकेट भी चौंक गया है।

गैरी स्टीड ने मंगलवार को पुष्टि की कि वह अब टी20 और वनडे अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में न्यूजीलैंड के कोच नहीं रहेंगे। उन्होंने साथ ही न्यूजीलैंड क्रिकेट से यह भी कहा कि वह टेस्ट क्रिकेट में अपने भविष्य पर विचार कर रहे हैं। स्टीड ने कहा कि उन्हें अंतिम निर्णय तक पहुंचने में एक महीने का समय लग सकता है। 53 वर्षीय स्टीड ने 2018 में माइक हेसन की जगह पद संभाला था और वह सभी प्रारूपों में न्यूजीलैंड के कोच थे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि वह अगले सप्ताह कोच पद के लिए विज्ञापन जारी करेगा, लेकिन उसने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह अलग-अलग प्रारूपों के लिए अलग-अलग कोच नियुक्त करेगा या नहीं। स्टीड के कोच रहते हुए न्यूजीलैंड ने 2019 में आईसीसी विश्व कप, 2022 में टी20 विश्व कप और इस साल की चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने न्यूजीलैंड को शुरूआती विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में जीत भी दिलाई थी।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के शीर्ष अधिकारी ब्रायन स्ट्रोनच ने एक बयान में कहा, 'गैरी का रिकॉर्ड शानदार रहा है और हमें उन्हें अपने फैसले पर विचार करने के लिए कुछ समय देने में कोई परेशानी नहीं है। अभी हमारे पास कोच पद के लिए कोई मजबूत प्राथमिकता नहीं है।' वहीं, स्टीड ने कहा, 'पिछले कुछ महीने काफी व्यस्त रहे। मैं अब अपने भविष्य को लेकर विचार करूंगा। मैं अब अपने विकल्पों पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं। मुझे अब भी लगता है कि मेरे अंदर कोचिंग बची हुई है।

'बुमराह निराश हैं, वापसी पर टीम को जिताना चाहते थे', आरसीबी से हार के बाद बोले मुंबई के कोच जयवर्धने

जयवर्धने ने मैच के बाद कहा, 'मैंने मैच के बाद उनसे बात की और वह अच्छी स्थिति में दिख रहे हैं। वह निराश भी हैं, क्योंकि वह वापसी पर टीम को जीत दिलाना चाहते थे। उनकी गति अच्छी है और वह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।'

मुंबई। आईपीएल 2025 में सोमवार को मुंबई इंडियंस को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद कोच महेला जयवर्धने ने जसप्रीत बुमराह को लेकर बयान दिया है। जयवर्धने ने कहा कि बुमराह हार से निराश हैं। वह वापसी पर टीम को जीतते हुए देखना चाहते थे। जयवर्धने ने यह भी कहा कि बुमराह वापसी पर सहज दिख रहे हैं और अच्छी गेंदबाजी भी कर रहे हैं।

बुमराह की वापसी पर खुश हैं जयवर्धने

जयवर्धने ने कहा कि उनके शामिल होने से टीम के आक्रमण को मजबूती मिली है। बुमराह ने पीठ की चोट के कारण इस साल जनवरी से कोई मैच नहीं खेला था। उन्होंने सोमवार को आरसीबी के खिलाफ मैच से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। भारतीय टीम के उनके साथी विराट कोहली ने मिडविकेट पर छक्का जड़कर उनका स्वागत किया, लेकिन इसके बाद उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की। मुंबई की टीम यह मैच 12 रन से हार गई थी।

'बुमराह को मैच प्रैक्टिस देना चाहते थे' : जयवर्धने ने मैच के बाद कहा, 'मैंने मैच के बाद उनसे बात की और वह अच्छी स्थिति में दिख रहे हैं। वह निराश भी हैं, क्योंकि वह वापसी पर टीम को जीत दिलाना चाहते थे। उनकी गति अच्छी है और वह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।' जयवर्धने ने बुमराह को देर से गेंदबाजी के लिए बुलाने के फैसले का भी बचाव किया। उन्होंने कहा, 'उनके आने से हमारे पास अधिक विकल्प हो गए हैं। हमारे पास दो स्विंग गेंदबाज हैं और हमें सबसे पहले उन्हें वह मौका देना होगा। बूम (बुमराह) तीन महीने बाद वापसी कर रहे हैं और हम उन्हें प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का माहौल देना चाहते थे।'

'बुमराह ने अच्छी वापसी की' : जयवर्धने ने कहा, 'उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की और चीजों को बहुत अच्छी तरह से नियंत्रित किया। वह जितने अधिक मैच खेलेंगे उतना ही उनका प्रदर्शन बेहतर होता जाएगा। उन्होंने इससे पहले अपना आखिरी मैच टेस्ट क्रिकेट के रूप में खेला था और अब वह टी20 खेल रहे हैं। इसलिए हमें इसे समझने की जरूरत है, लेकिन उनका कौशल शानदार था।'

'आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा'

जयवर्धने बुमराह की प्रगति के साथ-साथ फिटनेस और फॉर्म के मामले में मौजूदा स्थिति को लेकर आश्वस्त दिखे। उन्होंने कहा, 'उनका पहला दिन था जहां उन्होंने पेशेवर मैच में गेंदबाजी की। बुमराह की गेंदबाजी कुछ ऐसी चीज है जिसकी हमारे पास पिछले कुछ मैचों में कमी थी। हमें उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा।'

श्रीलंका में वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान, तीन नए चेहरों को मिला मौका

नई दिल्ली। इस महीने के अंत में श्रीलंका में शुरू होने वाली वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम का एलान हो गया है। स्टार ऑलराउंडर हरमनप्रीत कौर की टीम में वापसी हुई है और वही टीम का कमान भी संभालेंगी। हरमनप्रीत को जनवरी में आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए आराम दिया गया था। बीसीसीआई ने 15 सदस्यीय टीम का एलान किया है और स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान होंगी। यह त्रिकोणीय सीरीज 27 अप्रैल को शुरू होगी और 11 मई को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत और श्रीलंका के अलावा इस सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की टीम हिस्सा लेगी।

डबल राउंड रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा टूर्नामेंट

यह टूर्नामेंट डबल राउंड रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा। भारत अपना पहला मैच 27 अप्रैल को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा। तीनों टीमें चार-चार मैच खेलेंगी और शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर और तितास साधु चोटिल हैं। इसलिए उनके चयन पर विचार नहीं किया गया। टीम में काशवी गौतम, श्री चरणी और शुचि उपाध्याय को शामिल किया गया है। इन तीनों ने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है और टीम में नया चेहरा हैं।

21 साल की तेज गेंदबाज काशवी गौतम को मौका दिया गया है। वह महिला प्रीमियर लीग में स्टार परफॉर्मर रही थीं। उन्होंने टूर्नामेंट में नौ मैचों में कुल 11 विकेट झटके थे। उन्हें इस प्रदर्शन के आधार पर पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। 20 साल की चरणी बाएं हाथ की स्पिनर हैं। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए महिला प्रीमियर लीग में दो मैच खेले थे और चार विकेट लिए थे। वहीं, बाएं हाथ की स्पिनर शुचि सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी टूर्नामेंट में तीसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रही थीं।

आरसीबी के रजत पाटीदार पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान उनकी टीम द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। आरसीबी ने एमआई को 12 रन से हराया और पाटीदार ने 32 गेंदों में 64 रनों की शानदार पारी खेली। इसकी बदौलत उनकी टीम ने पांच विकेट पर 221 रन बनाए।

हार्दिक-रोहित के सामने विराट कोहली ने इस तरह मनाया जीत का जश्न

मुंबई। आईपीएल 2025 में सोमवार को मुंबई इंडियंस को हार का सामना करना पड़ा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने वानखेड़े में खेले गए रोमांचक मुकाबले में एमआई को 12 रन से हरा दिया। इस जीत के बाद विराट कोहली ने आक्रामक अंदाज में जीत का जश्न मनाया उन्होंने वानखेड़े में हुंकार भरी। वहीं, मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का मुंह लटका हुआ नजर आया। इसका वीडियो भी सामने आया है।

बेंगलुरु ने वानखेड़े में मुंबई के खिलाफ 10 साल बाद जीत दर्ज की है। हालांकि, एक वक्त जब हार्दिक और तिलक वर्मा बल्लेबाजी कर रहे थे तब ऐसा लगा था कि मुंबई की टीम जीतने में कामयाब रहेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। आखिरी तीन ओवर में मुंबई को जीत के लिए 41 रन की जरूरत थी और उस वक्त स्ट्राइक पर हार्दिक और तिलक थे। हालांकि, 17वें ओवर के बाद मैच आरसीबी के पक्ष में मुड़ गया। मुंबई की टीम आखिरी तीन ओवर में 41 की जगह 28 रन ही बना सकी।

17 ओवर के बाद मुंबई का स्कोर चार विकेट पर 181 रन था। तब तिलक 28 गेंद में 56 रन और हार्दिक 11 गेंद में 35 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे। 18वें ओवर में भुवनेश्वर कुमार गेंदबाजी के लिए आए। शुरूआती तीन गेंद पर हार्दिक ने सात रन बटोरे। इसमें एक चौका शामिल है।

पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप की मेहनत ने दिखाया असर

श्री महर्षि कश्यप जयंती पर उमड़ा जनसैलाब

गाजियाबाद करंट क्राइम। शनिवार को संयुक्त कश्यप महासभा के तत्वाधान में महर्षि कश्यप एवं महाराजा निषादराज की जयंती वी. वी. स्नातकोर महाविधालय शामली में हर्षोउल्लाष के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने महर्षि कश्यप की प्रतिमा पर फूल माला पहनाकर नमन किया। राज्यसभा सांसद ने अपने सम्बोधन में कहा कि हम सब महर्षि कश्यप की संतान है। वे सृष्टिरचियता थे। महर्षि कश्यप भारतीय संस्कृति के महान ऋर्षि थे जिन्होने मानव सभ्यता की उन्नति मे महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्य अतिथि ने बताया कि समाज भाजपा को 100 प्रतिशत वोट कर रहा है और प्रत्येक लोकसभा में कश्यप समाज की संख्या लगभग 2 लाख से अधिक है। जबकि कश्यप समाज का उत्तर प्रदेश में कोई जिलाध्यक्ष नही है और न ही कोई एम०पी०, एम०एल०ए०, राष्ट्रीयकार्यकरणी कमेटी, प्रदेश कमेटी मे कोई मुख्य भागीदारी नही है। प्रत्येक बार समाज को निराशा का सामना करना पडता है जिससे समाज में काफी रोष है।
जयन्ती महोत्सव मे पूर्व कैबीनेट मंत्री सुरेश राणा व विरेन्द्र सिंह जी एम०एल०सी०, श्रीचन्द शर्मा एम०एल०सी०, अशविनी त्यागी एम०एल०सी०, नामोहित बेनीवाल एम०एल०सी० व मनीष चौहान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष व तेजेन्द्र निर्वाल जिलाध्यक्ष भाजपा, पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी, अरविन्द संगल चैयरमैन शामली, लोकेश दिक्षित, महिपाल माजरा, जिला पंचायत सदस्य अनिल कश्यप सहित अनेको गणमान्यों ने भी अपना उदभोदन दिया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेडिकल कैम्प, और भण्डारे की उचित व्यवस्था भी की गई। मैन गेट पर बना सृष्टिरचियता महर्षि कश्यप व निषादराज का मंदिर आकर्षण का केन्द्र रहा। कार्यक्रम का संचालन रेखा चौहान, महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष संयुक्त कश्यप महासभा एवं डा० राजीव कश्यप ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में राजीव कश्यप, सैहनसरपाल, अंकित, लोकेन्दर, नरेन्द्र, अजित, विकास, मिलन, श्रीमती सारिका कश्यप, उषा, सीमा मेहरा, राममेहर, देशपाल, पदम, देवेन्द, विजय, मनोज, राजकुमार कुलदीप अनिल कश्यप, भूपेन्द्र कश्यप, बलजीन्द्र कश्यप, जयपाल कश्यप, विनोद कश्यप, मोनिका कश्यप, पिंकी कश्यप, राहुल कश्यप, हरप्रकाश बहादुर, बबलू कश्यप, कमारी दीपा कश्यप, सुभाष कश्यप, दीपक कश्यप, राजीव कछवा, अमित कश्यप, विरेन्द्र कश्यप, कृष्णा कश्यप, श्रद्धा कश्यप सीमा कश्यप, राशी कश्यप, उषादेवी कश्यप, सैंध्या कश्यप, आदि व सैंकडो लोगों ने जयंती महोत्सव व्यवस्था में सहयोग किया।

आईएमटी गाजियाबाद और फिक्की की संयुक्त कार्यशाला सम्पन्न

खेल उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए हुआ मन्थन

गाजियाबाद करंट क्राइम। मंगलवार को आईएमटी गाजियाबाद और फिक्की के यूपी स्पोर्ट्स चैप्टर ने संयुक्त रुप से खेल सामग्री निर्माणकत्ताओं के विभिन्न आयामों पर चर्चा करने के लिए एक राउण्ड टेबल परिचर्चा का आयोजन किया। कार्यशाला में आई.एम.टी. गाजियाबाद के निदेशक डॉ. आतिश चट्टोपाध्याय, सेंटर फॉर स्पोर्ट्स रिसर्च के प्रमुख और हाल ही में शुरू की गई फिक्की स्पोर्ट्स कमेटी - यूपी चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय, प्रो. निविशा सिंह, अमित गुप्ता, फिक्की यूपी स्टेट हैड, प्रणव यादव और अनिरबान चटर्जी, सुजॉय गांगुली, पद्मश्री अशोक ध्यानचंद, महान ओलंपियन और मेजर ध्यानचंद के सुपुत्र; रचना गोविल, भारतीय खेल प्राधिकरण की पूर्व कार्यकारी निदेशक, एसजी और बीडीएम जैसे प्रतिष्ठित ब्रांडों के प्रतिनिधि, प्रमुख खेल सामग्री निमार्ता, प्रतिष्ठित नीति निमार्ता और शिक्षाविद् आदि ने शिरकत की। मैराथन परिचर्चा के बाद उद्योगपतियों की समस्याओं को संकलित किया गया।

इस परिचर्चा की संकल्पना आईएमटी गाजियाबाद के सेंटर फॉर स्पोर्ट्स रिसर्च के प्रमुख और हाल ही में शुरू की गई फिक्की स्पोर्ट्स कमेटी - यूपी चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय की थी। डॉ. पाण्डेय ने राउण्ड टेबल परिचर्चा में बताया कि बहुत समय से लम्बित सुधारों के लिए एक प्रारंभिक बिंदु की आज शुरूआत हुई है। राज्य में खेल सामग्री निर्माण उद्योग के लिए व्यापक नीति ढांचे, वैष्विक प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता को रेखांकित किया जाएगा। इस परिचर्चा का मुख्य लक्ष्य उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमता को भारत की वैष्विक खेल महत्वाकांक्षाओं के साथ जोड़ना है।

गेस्ट हाऊस के अंदर कार वाले और बाहर मिले बेकार वाले

पहली पारी बीत गई और मन की सारी पीड़ा कहते-कहते रीत गई कि कोई नहीं सुन रहा। जो आया उसी के आगे दिल का हाल सुनाया। अब दूसरी पारी चल रही है और इस बार तो सितम ये है कि किस्से गिला करें क्योंकि अब तो अफसर क्या, पार्टी के बड़े चेहरे भी नहीं सुन रहे हैं। तपती दुपहरी में जल निगम वाले गेस्ट हाऊस में डिप्टी सीएम आये। वो प्रदेश के संगठन मुखिया भी रहे हैं और सरकार में उपमुखिया भी हैं। उन्हें पता है कि दुखिया को कैसे संभालना है। मगर देवतुल्यों को भी पता है कि बस तुलना ही देव से हो रही है। बाकी इंतजार तो गेस्ट हाऊस के बाहर ही होना है। देवतुल्य ने ही बताया कि भरी दुपहरी में हमें याद आया कि इतना संघर्ष विपक्ष में रहकर भी नहीं किया जितना पसीना अपनी सरकार में बहा रहे हैं। उसने बताया कि कार वाले तो अंदर चले गये और शायद हम बेकार वालों को गेस्ट हाऊस के बाहर ही इंतजार करना पड़ा। वैसे तो हम दोनों ही सरकार वाले हैं लेकिन हमारी समझ में आ गया कि जो अंदर हैं वो कार वाले हैं और जो बाहर हैं तपती धूप में वेटिंग भीड है वो सही में बेकार वाले हैं।

ये सारे बल्ब हैं फ्यूज, वो कैसे करेंगे इन्हें यूज

उनका इन दिनों जलवा जलाल है और अगर व्यवस्था के पॉवर हाऊस से देखें तो पूरा करंट उन्हीं के पास है। वो जिस घड़ी का शिद्दत से इंतजार कर रहे थे। वो घड़ी बड़ी मुद्दत के बाद आई है। इन दिनों पद वाली नीड से भरी एक भीड़ उनके इर्द गिर्द चल रही है। हसरतों का घेरा डालो, डेरा डालो वाले अंदाज में एक फौज है। फूल वाली सियासत के तमाशाई भी खूब हैं और बड़ी बात ये है कि ये सब पुराने भाजपाई हैं। उन्हें एक-एक नब्ज पता है और वो जानते हैं कि कौन अपने मौहल्ले में मजबूत है और किसका अपने रूट पर क्या वजूद है। सुना है वो इन दिनों सबका सम्मान सबका साथ वाले रूल पर चल रहे हैं। जिस फूल इग्नोरेंस की धूल जमी हुई है वो वहां जा रहे हैं। रिश्ते गिना रहे हैं। इस सीन के बीच वरिष्ठ देवतुल्य ने ही कहा कि बाकी तो सब ठीक है लेकिन उन्हें क्या पता किसमें करंट है और कौन वीक है। उन्होंने साफ कह दिया कि हमारी तो समझ से ये बाहर है कि वो कैसे करेंगे यूज, क्योंकि ये जो दिखाई दे रहे हैं इनमें से कई बल्ब हैं फ्यूज। उन्होंने बता भी दिया कि अभी दिन है इसलिए पता ही नहीं चल रहा। लेकिन अगर बड़े कार्यक्रम की रात आ गई तो फिर रोशनी के लिए दूसरा सिस्टम देखना पड़ेगा। वो अभी इतना ही समझ पाये हैं कि उनका भौकाल है और उनका बड़ा प्रोटोकॉल है। चेले कह भी चुके हैं कि अजी उनकी व्यवस्था में सांसद, मेयर और तीनों विधायक आते हैं। वो तो बस भाई साहब सीधे हैं। इसलिए ज्यादा अधिकार नहीं गिनाते हैं।

करंट वाले लाला और उनकी प्रोपर्टी पर किस ने डाल दिया ताला

किस्सा बीच बाजार में गूंज रहा है और किस्सा कम्यूनल भी है और किस्से में भाजपा भी है। किस्से में दो व्यापारी भी हैं और किस्से में फूल वालों की सियासी आक्सीजन यानी ... भी है। किस्से में पांच पेटी भी है, किस्से में भुगतान के चैक भी हैं और किस्से में पुलिस भी हैं। सुना है करंट वाले गोयल ने एक सम्पत्ति खरीदी। सम्पत्ति खरीदने के बाद उन्होंने त्रिपाठी जी अधिवक्ता को यह बेची। बताते हैं कि अधिवक्ता ने यह सम्पत्ति किसी ... को बेच दी। अब रूल तो ये है कि कोई अपनी सम्पत्ति पूरे भारत में किसी से भी खरीदे और किसी को भी बेचे। लेकिन यहां कहानी में ट्विस्ट तब आया जब भाजपा पार्षद ने इस पर आब्जैक्शन जताते हुए वीटो लगाया। कड़ा विरोध ही इस बात को लेकर था तुमने प्रोपर्टी ... को कैसे बेची। अभी ये चल ही रहा था कि बाजार के व्यापारी नेता ने गोयल की सम्पत्ति पर ताला डाल दिया। सुना है कि व्यापारी को पुलिस से उठवा भी दिया गया और थाने में बिठवा भी दिया गया। कहानी सांसद के दरवाजे पहुंची और सांसद ने इस मामले में पुलिस को फोन मिला दिया। पूछ लिया कि बाकी सब तो ठीक है लेकिन व्यापारी को किस इल्जाम में उठा लिया। बताते हैं कि अब पुलिस ने कहा कि दोबारा नहीं उठायेंगे। उधर जो चैक गोयल ने दिये उनका स्टॉप पेयमेंट बैंक से हो गया है। कहानी में नया मोड तब आयेगा जब पांच पेटी वाला मामला खुलेगा।

पहली बार दिख रहा शराब के ठेकों को लेकर रिहायशी इलाकों में विरोध प्रदर्शन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। साहिबाबाद क्षेत्र में कई जगहों पर शराब के ठेके खोलने का विरोध किया जा रहा है। यह विरोध भले ही अलग -अलग जगहों पर हो रहा हो पर विरोध का कारण एक ही है। लोगों की मांग है कि शराब के ठेके को रिहायशी इलाकों, मंदिरों, अस्पतालों और स्कूलों के पास न खोला जाए। ठेका खोलने का विरोध शालीमार गार्डन एक्सटेंशन दो, वैशाली सेक्टर एक वसुंधरा सेक्टर 3 वसुंधरा सेक्टर 2एवसुंधरा सेक्टर पांच ओर इंदिरापुरम में हुआ। लोगों का कहना है कि दुकान के कारण उनके बच्चों और परिवार के सदस्यों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। शराब की दुकान खुलने के बाद क्षेत्र में अपराध और असामाजिक गतिविधियां बढ़ने की आशंका भी जाहिर की है। इसके लिए लोग डीएम से लेकर सांसद और विधायक तक को ज्ञापन सौंप चुके हैं। शालीमार गार्डन वार्ड 80 के ए-26 में शराब की दुकान खोली गई है। यह इलाका रिहायशी है। स्थानीय लोगों ने इस पर आपत्ति जताई है। पार्षद राहुल शर्मा ने महिलाओं के साथ प्रदर्शन भी किया। पार्षद राहुल शर्मा ने बताया कि शराब की दुकान के रिहायशी इलाके के पास होने से यहां का माहौल बिगड़ने का खतरा भी बढ़ गया।

वैशाली सेक्टर 1 स्कूल अस्पताल और आबादी के पास शराब की दुकान का विरोध, सड़कों पर लोगों ने क्या प्रदर्शन। पूर्व पार्षद मनोज गोयल ने शराब की दुकान के सामने हाथों में बैनर लेकर प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि उसके करीब सौ मीटर के अंदर सन वैली, मॉडर्न पब्लिक, निस्कॉर्ट जैसे स्कूल हैं। साथ ही रोड के पास ही मैक्स अस्पताल भी है। ऐसे में यहां शराब का ठेका होने से ना सिर्फ आपराधिक घटनाएं बढ़ेंगी साथ ही बच्चों पर भी गलत असर पड़ेगा। वसुंधरा सेक्टर पांच के मेट्रो सूट्स बुध चौक के पास शराब की दुकान खुलने के बाद से लोग इसका विरोध कर रहे हैं।
क्षेत्रीय पार्षद सतेंदर चौधरी ने बताया कि बुध चौक के आस पास का रोड हर समय व्यस्त होता है। साथ ही शराब की दुकान मेट्रो सूट्स सोसायटी के पास ही खोली गई हैं। इसके चलते स्थानीय निवासियों इस दुकान का विरोध कर रहे हैं। वही वसुंधरा के दो सी और सेक्टर तीन के केएसएन के पास शराब का ठेका खोले जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि विरोध प्रदर्शन का मुख्य कारण रिहायशी इलाके में ठेका खोला जाना है। वहीं वसुंधरा सेक्टर एक में भी स्कूल के पास ठेका खोले जाने को लेकर प्रदर्शन किया गया था। यह सभी प्रदर्शन मार्च माह में हुए लेकिन अधिकारियों से केवल आश्वासन ही मिला, कोई कार्रवाई नहीं हुई।
वसुंधरा सेक्टर-2सी में खुले शराब के नये ठेके के विरोध में लोगों ने प्रदर्शन किया। लोगों ने जिलाधिकारी से ठेका बंद कराने की मांग की। वसुंधरा सेक्टर-2सी में आबकारी विभाग ने नया ठेका आवंटित किया था, जिसका निर्माण कार्य चल रहा है। लोगों ने मौके पर पहुंचकर सुबह प्रदर्शन किया था। इंदिरापुरम काला पत्थर रोड न्याय खंड 2 में नया शराब का ठेका खोलने का लोगों ने विरोध किया और कहा कि जब तक यह बंद नहीं होगा विरोध जारी रहेगा।

सम्मान

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। मंगलवार को खोड़ा मकनपुर मंडल के बीएसआर पब्लिक स्कूल में भारतीय जनता पार्टी के स्थापन दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश संयोजक डॉ अशोक नागर का उद्बोधन प्राप्त हुआ। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना दिवस पर खोड़ा में गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व मंडल अध्यक्ष, सभासद, मंडल में निवास करने वाले हमारे वरिष्ठ नेता कार्यकर्ता, मंडल के समस्त पदाधिकारी, मंडल के सभी मोर्चे व प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, सेक्टर संयोजक, बूथ अध्यक्ष सहित सभी कार्यकर्ता उपस्थिति रहे।

शालीमार गार्डन में शहीद मंगल पांडेय के बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वार्ड 73 शालीमार गार्डन एक्सटेंशन में 1857 स्वतंत्रता आन्दोलन के पहले क्रांतिकारी मंगल पाण्डेय के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस मौके पर वन्दे मातरम गीत के रचनाकार बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय को भी पुण्य तिथि पर याद किया गया। भाजपा नेता पवन रेड्डी ने कहा क्रांतिवीर मंगल पाण्डेय ने अपने विद्रोह की चिंगारी से ब्रिटिश हुकुमत को इतना डरा दिया कि निश्चित 18 अप्रैल की जगह उनको 8 अप्रैल को ही फांसी दे दी गई। इस अवसर पर पवन रेड्डी, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजन आर्य, मंडल अध्यक्ष अशोक भाटी, गुरदास पाल, विपिन कुमार, मनीष सेन, आदेश तिवारी, सोनू पहलवान, चिकित्सक प्रकोष्ठ संयोजक एसपी तिवारी, राजू भट्ट आदि लोग मौजूद रहे।

टेंट हाउस के गोदाम में लगी भीषण आग दो लाख से ज्यादा का सामान जला

हापुड़। बाबूगढ़ कोतवाली क्षेत्र में एक टेंट हाउस के गोदाम में आग लगने से लाखों का सामान जलकर राख हो गया। घटना गांव उपेड़ा के बड़ा मोहल्ला में स्थित तालाब के पास की है। जानकारी के मुताबिक शिवा टेंट हाउस के मालिक जितेंद्र कुमार शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात करीब 11 बजे कुछ लोग वैगनआर कार से आए। इन लोगों ने टेंट हाउस के सामान में आग लगा दी। आग लगने की सूचना पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। घटना में 208 कारपेट जलकर राख हो गए। जितेंद्र को करीब ढाई लाख रुपए का नुकसान हुआ है। घटना के दौरान मौजूद सीसीटीवी कैमरे में संदिग्धों की तस्वीरें कैद हो गई हैं। पीड़ित ने नामजद शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

हापुड़ में ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण शुरू, ओला-उबर से लेकर जोमैटो के कर्मी होंगे शामिल

हापुड़। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने गिग इकोनॉमी को मजबूत करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। हापुड़ में ई-श्रम पोर्टल पर प्लेटफॉर्म वर्कर्स का पंजीकरण शुरू हो गया है। लेबर कमिश्नर सर्वेश सिंह ने बताया कि गिग वर्कर्स ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले श्रमिक होते हैं। इनमें ओला-उबर के ड्राइवर और जोमैटो-स्विगी के डिलीवरी पार्टनर शामिल हैं। साथ ही ई-कॉमर्स कंपनियों के वर्कर्स भी इसका हिस्सा हैं। ये श्रमिक पारंपरिक कर्मचारी-नियोक्ता संबंध से अलग तरीके से काम करते हैं। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड और मोबाइल नंबर जरूरी है। श्रमिक सीएससी के माध्यम से पंजीकरण करा सकते हैं। वे स्वयं भी पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकृत श्रमिकों को केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। इस पहल में कई क्षेत्रों के श्रमिक शामिल हैं। इनमें राइड शेयरिंग, फूड डिलीवरी और लॉजिस्टिक्स शामिल हैं। साथ ही ई-मार्केटप्लेस, प्रोफेशनल सेवाएं और हेल्थकेयर के कर्मी भी इसका हिस्सा हैं।

क्या नहीं मिलेगी रिक्त पद पर पोस्टिंग

पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम गाजियाबाद में लंबे समय से एक आईपीएस अधिकारी की बड़ी पोस्ट खाली चल रही है। बताया जा रहा है कि यहां से जब से एडिशनल वाले साहब गए हैं, उनके पद पर अतिरिक्त पोस्टिंग मिली हुई है। पर यहां स्वतंत्र प्रभार पोस्टिंग नहीं हुई है। बीते कई माह के दौरान कई छोटी बड़ी बदलाव वाली लिस्ट आई लेकिन उसमें गाजियाबाद की इस पोस्ट के लिए कोई नाम नहीं आया है। जिसके बाद पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में चर्चा शुरू हो गई है कि आखिर कब तक इस रिक्त पद पर नई पोस्टिंग मिलेगी। उधर पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कहा जा रहा है कि इस पद पर कमिश्नरेट सिस्टम में पहले से दो अधिकारी थे, लेकिन लंबे समय से यहां एक अधिकारी वाला पद खाली है, पर शासन से यहां नई तैनाती क्यों नहीं हो रही है, इसको लेकर चर्चा बनी हुई है। उधर सुनने में आ रहा है कि यहां पद एक ही था लेकिन स्थिति के अनुसार अतिरिक्त पोस्टिंग कर दी गई थी, पर अब तक लंबे समय से खाली पद रहने की चर्चा शुरू है। उधर बता दें कि खाली वाले पद पर वर्तमान में कमिश्नरेट वाले ही जोन के साहब जिम्मेदारी से इस पद को संभाले हुए हैं। कई बड़े आदेश से लेकर महत्वपूर्ण आयोजनों में उनकी मेहनत और वर्किंग स्टाइल किसी से छुपी नहीं रही है। वहीं कहने वाले तो कहते हैं कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वर्तमान सिस्टम में तीन जोन के साहब में उनकी वर्किंग और कॉन्फिडेंस सबसे हाई रहता है। वह लगातार खुलासों से लेकर बड़े मामलों में खुद आगे रहते हैं। तो वहीं जनसुनवाई से लेकर कमिश्नरेट सिस्टम को ऑन ट्रैक रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहते हैं। सूत्रों ने बताया है कि बीते दिनों चर्चा उनको लेकर भी आई थी लेकिन अभी तक मामला फाइनल हुआ नहीं बताया जा रहा है। इसी के साथ लंबे समय से नदिया पार में अब तक की सबसे लंबी पारी खेलने वाले साहब की वर्किंग भी फाइन होने की बातें सुनने में आती हैं। वह भी खुलासों से लेकर ग्राउंड वर्किंग में हिट बने हुए हैं। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि अभी आने वाली लिस्ट में भी रिक्त पद पर पोस्टिंग को लेकर कोई सरगर्मी होती नजर नहीं आ रही है। जिसकी वजह से कमिश्नरेट सिस्टम के हाल और हालात ऐसे ही चलते रहने की उम्मीद जाहिर की जा रही है। कुल मिलाकर देखना होगा कि आने वाले दिनों में लिस्ट के बाद पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में किस प्रकार का बदलाव और बल देखने को मिलता है।

स्थानीय लोगों और पुलिस ने मदद कर निकाली नाले में गिरी गाय स्थानीय लोगों ने बचाई जान

गाजियाबाद, करंट क्राइम : खुले नालों में लगातार हादसे हो रहे हैं। कभी इंसान की जान जा रही है, तो कभी जानवरों के लिए परेशानी खड़ी हो रही है। सोमवार को कौशांबी स्थित रेडिसन होटल के निकट खुले नाले में एक गाय गिर गई। गाय के गिरने की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी लेकिन जब तक पुलिस पहुंचती तो स्थानीय लोगों ने नाले से गाय को बचाने के लिए मदद कार्य शुरू किया। जहां काफी मशक्कत के बाद लोगों ने पाइप, बल्ली और रस्सी की मदद से नाले में गिरी गाय को बाहर निकाला और उसके जीवन को बचाने का काम किया। साथ ही गाय का उपचार भी कराया गया है। स्थानीय निवासी वीर सिंह ने कहा है कि निगम ने नाले खुले छोड़ रखे हैं जिसकी वजह से आए दिन हादसे होते रहते हैं।

एक घंटे तक लोगों ने किया गाय को निकालने का प्रयास

करंट क्राइम : स्थानीय लोगों का कहना है कि गाय गिरने की सूचना आसपास के लोगों ने पुलिस को दी लेकिन पुलिस देरी से आई, तब तक स्थानीय लोगों ने मदद का हाथ आगे बढ़ाया और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद नाले में गिरी गाय का जीवन बचाया जा सका है। बता दें कि इससे पहले भी कई बार कौशांबी और वैशाली के इलाके में नाले में गाय गिर चुकी है। जिसे दमकलकर्मियों ने मशक्कत करते हुए बचाया था।

संजय नगर में शराब का ठेका खोलने के विरोध में जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

गाजियाबाद करंट क्राइम। मंगलवार को संजय नगर सेक्टर-23 में व्यापार मंडल के नेतृत्व में स्थानीय व्यापारियों ने और स्थानीय निवासियों के द्वारा शराब के ठेके के विरोध में एक ज्ञापन जिलाधिकारी, गाजियाबाद को सौंपा। संजय नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष विपिन गोयल ने बताया कि संजय नगर सेक्टर-23 की में मार्केट में 50 मीटर की दूरी पर ही मंदिर है, स्कूल है और अस्पताल से लेकर सुनार की दुकानें हैं। यहां पर ठेका खोलने के मानकों को को छुपाया गया है। रोजाना महिलाओ और स्कूल के बच्चों का आवागमन इसी रास्ते से होता है। वही व्यापार मंडल महामंत्री हरीश शर्मा ने बताया ठेका खोले जाने से माहौल खराब होने का डर है।

इस मौके पर प्राचीन शिव मंदिर और वार्ड 71 के पार्षद उमेश पप्पू नगर का भी समर्थन व्यापारी भाइयों को मिला। इस मौके पर संजय नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष विपिन गोयल, महामंत्री हरीश शर्मा, राजेंद्र गर्ग, वार्ड 71 पार्षद उमेश पप्पू नागर वार्ड, 67 पार्षद अजय शर्मा, रमेश शर्मा, रोहित चौधरी , राजा जूते वाले, सुमित राजन वर्मा, चौधरी राशिद अली, गौरव वर्मा, विशाल गुप्ता, मोहन सिंह रावत, जैन साहब, विपिन हिन्दु, राजन राठी, सुमित गुप्त सहित समस्त स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

तीन अमेरिकी-रूसी क्रू आईएसएस रवाना, अंतरिक्ष में आठ महीने रहेंगे

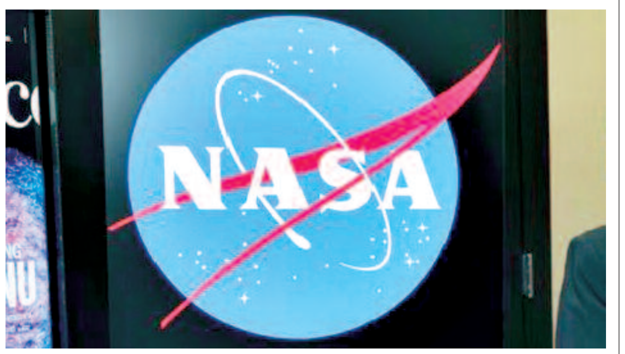

मास्को। नासा के अंतरिक्ष यात्री जॉनी किम और दो रूसी क्रू मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना हो चुके हैं। उन्होंने रूसी अंतरिक्ष यान में सवार होकर आईएसएस के लिए सफलतापूर्वक उड़ान भरी। तीनों आठ महीने तक अंतरिक्ष में रहेंगे।

सोयुज बूस्टर रॉकेट ने मंगलवार को तय समय पर बैकोनूर लॉन्च सुविधा से उड़ान भरी, जिसे रूस द्वारा कजाकिस्तान में लीज पर लिया गया है। तीनों क्रू के साथ सोयुज एमएस-27 को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया गया। वे तीन घंटे बाद स्टेशन पर डॉक करने के लिए तैयार हैं। नासा के अंतरिक्ष यात्री किम और रूस के सर्गेई रेजिकोव और एलेक्सी जुब्रित्स्की अंतरिक्ष में लगभग आठ महीने बिताएंगे।

अमेरिकी नौसेना में लेफ्टिनेंट कमांडर हैं किम : नासा ने बताया कि किम भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए क्रू को करेंगे। इसके अलावा, पृथ्वी पर लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए वैज्ञानिक जांच और तकनीकी प्रदर्शन करेंगे। बता दें कि किम लॉस एंजिलिस के मूल निवासी हैं। वह अमेरिकी नौसेना में लेफ्टिनेंट कमांडर हैं और फ्लाइट सर्जन भी हैं।

आईएसएस पर इन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ मिलकर काम करेंगे तीनों क्रू : तीनों अमेरिकी-रूसी क्रू नासा के अन्य अंतरिक्ष यात्री डॉन पेटिट, ऐनी मैकक्लेन और निकोल एयर्स के साथ मिलकर अंतरिक्ष स्टेशन पर काम करेंगे। इसके अलावा, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री ताकुया ओनिशी, रूसी अंतरिक्ष यात्री एलेक्सी ओविचिनिन, इवान वैगनर और किरिल पेसकोव भी उनके साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर शामिल होंगे।

पाकिस्तान में मसूद अजहर का रिश्तेदार कारी एजाज ढेर, सरेराह गोलियों से भूना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मौलाना मसूद अजहर के रिश्तेदार कारी एजाज आबिद को ढेर कर दिया। हमालवरों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर में पिस्खारा इलाके में मस्जिद से बाहर निकलते समय उस पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। हमले में कारी एजाज का खास सहयोगी कारी शाहिद भी बुरी तरह घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, कारी एजाज अहले सुन्नत वल जमात नामक संगठन का सदस्य था। वह खत्म-ए-नबूवत जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन का प्रांतीय नेता भी था। वह अपने संगठन के जरिये जैश-ए-मोहम्मद के लिए आतंकवादियों की भर्ती करता था। कारी एजाज भारत के दुश्मन मौलना मसूद अजहर का रिश्तेदार था और देवबंदी विचारधारा से जुड़ा था। उसने मसूद अजहर के साथ कई बार मंच भी साझा किया।

युवाओं का ब्रेनवॉश कर बनाता था आतंकी : कारी एजाज आतंकी मसूद अजहर की योजना के अनुसार, पहले युवाओं को अपने संगठन के जलसे में बुलाता था। फिर धीरे-धीरे उनका ब्रेनवॉश कर उन्हें आतंकवादी गतिविधियों में शामिल करता था। वह युवाओं को हथियारों और विस्फोटकों की ट्रेनिंग के लिए जैश-ए-मोहम्मद के कैंपों में भेजता था।

देवबंदी विचारधारा के लोग हमलावरों के निशाने पर : पाकिस्तानी पुलिस का कहना है कि देश में देवबंदी विचारधारा से जुड़े लोग हमलावरों के निशाने पर हैं। इस साल आतंकवादी संगठनों से जुड़े करीब एक दर्जन लोगों की इसी तरह हत्या हो चुकी है। पुलिस के अनुसार, कारी एजाज की हत्या से जुड़े किसी भी हमलावर की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। पाकिस्तानी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के हाथ भी खाली हैं। वह भी किसी हमलावर की पहचान नहीं कर पाई हैं, जिसके चलते देवबंदी विचारधारा से जुड़े धार्मिक संगठनों में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ नाराजगी है।

'मैं वापस आऊंगी', समर्थकों से बोलीं शेख हसीना

शेख हसीना ने निराशा जाहिर करते हुए कहा कि 'एक समय बांग्लादेश को विकास के मॉडल के तौर पर देखा जाता था, लेकिन आज वह देश आतंकी देश में बदल चुका है। हमारे नेताओं को जिस तरह से मारा गया, उसे बताया भी नहीं जा सकता।'

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा है कि अल्लाह ने उन्हें किसी वजह से ही अब तक जिंदा रखा है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अवामी लीग के सदस्यों की हत्या की है, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। शेख हसीना ने बांग्लादेश में हिंसा में मारे गए अवामी लीग के नेताओं के परिजनों से वर्चुअली बात करते हुए ये बात कही। शेख हसीना को हिंसा के चलते बीते साल अगस्त में पीएम पद के साथ ही देश भी छोड़ना पड़ा था।

शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस पर साधा निशाना : शेख हसीना ने इस दौरान बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर निशाना साधा और कहा कि 'मोहम्मद यूनुस ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने कभी भी लोगों से प्यार नहीं किया। उन्होंने लोगों को ऊंची ब्याज दर पर लोगों को थोड़े-थोड़े पैसे ब्याज पर दिए और उस पैसे से विदेश में आलीशान जिंदगी गुजारी। हम भी उनके दोहरे चरित्र को समझ नहीं सके और हमारी सरकार ने भी उनकी मदद की, लेकिन लोगों को इससे फायदा नहीं हुआ। मोहम्मद यूनुस ने सत्ता की भूख की वजह से ही अब बांग्लादेश जल रहा है।'

'अल्लाह मुझसे कुछ अच्छा काम कराना चाहते हैं' : शेख हसीना ने निराशा जाहिर करते हुए कहा कि 'एक समय बांग्लादेश को विकास के मॉडल के तौर पर देखा जाता था, लेकिन आज वह देश आतंकी देश में बदल चुका है। हमारे नेताओं को जिस तरह से मारा गया, उसे बताया भी नहीं जा सकता। अवामी लीग के नेता, पुलिस, वकील, पत्रकार और कलाकार सभी को निशाना बनाया जा रहा है।' पूर्व पीएम ने कहा कि 'मैंने अपने पिता, माता, भाई और परिवार के सभी सदस्यों को एक दिन खो दिया था। उस वक्त भी मुझे देश लौटने नहीं दिया गया था। मैं किसी अपने को खोने के दर्द को समझती हूं। अल्लाह ने मुझे बचाया और वह मुझसे कुछ अच्छा काम कराना चाहता है। जो लोग अपराध कर रहे हैं, उन्हें न्याय के दायरे में लाया जाएगा। ये मेरा वादा है।'

बांग्लादेश उठा चुका है प्रत्यर्पण का मुद्दा

शेख हसीना ने कहा कि 'अल्लाह ने उन्हें किसी वजह से ही जिंदा रखा है और मैं जल्द वापस लौटूंगी।' शेख हसीना का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब बांग्लादेश की सरकार शेख हसीना के प्रत्यर्पण की कोशिश कर रही है और जब हाल ही में बिम्सटेक सम्मेलन से इतर पीएम मोदी और मोहम्मद यूनुस की थाईलैंड में मुलाकात हुई थी, उस वक्त भी मोहम्मद यूनुस ने शेख हसीना को प्रत्यर्पित करने की मांग उठाई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने भी मोहम्मद यूनुस के सामने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हमलों की घटनाओं पर चिंता जाहिर की थी।

यूरोप में 2025 का मार्च महीना रहा सबसे ज्यादा गर्म

पेरिस। यूरोप की मौसम और जलवायु परिवर्तन की जानकारी देने वाली एजेंसी कॉपरनिकस ने दावा किया है कि मार्च में वैश्विक तापमान ऐतिहासिक तौर पर ज्यादा रहा। यह यूरोप का अब तक का सबसे गर्म मार्च महीना दर्ज किया गया है। वहीं वैश्विक तौर पर मार्च 2025 दूसरा सबसे गर्म मार्च का महीना रहा। वैश्विक गर्मी में उछाल के चलते 2023 और फिर 2024 को रिकॉर्ड पर सबसे गर्म साल दर्ज किया गया।

जलवायु परिवर्तन से भारी बारिश और बाढ़ का खतरा बढ़ा : यूरोपीय मौसम एजेंसी के अनुसार, मार्च 2025 का महीना औद्योगिक काल से पहले के मार्च की तुलना में 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म रहा। मौसम वैज्ञानिकों ने बढ़े हुए तापमान पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि हम मानव जनित जलवायु परिवर्तन की चपेट में हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अब तापमान में हर एक डिग्री सेल्सियस तापमान की बढ़ोतरी से लू, भारी बारिश और बाढ़ जैसी समस्याओं की निरंतरता और भयावहता बढ़ जाएगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन से मध्य एशिया में गर्मी बढ़ी, जिससे अधिक बारिश वाली परिस्थितियों को बढ़ावा दिया। इससे अर्जेंटीना में भारी बारिश के चलते 16 लोगों की मौत हो गई।

वैज्ञानिकों के अनुमान भी हुए फेल : वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन सिर्फ तापमान बढ़ने के बारे में ही नहीं है बल्कि इससे वायुमंडल में अधिक वाष्पीकरण, वातावरण में अधिक नमी होती है, इससे चक्रवातों को ऊर्जा मिलती है और वैश्विक वर्षा पैटर्न में बदलाव से बाढ़ का खतरा बढ़ता है। वैज्ञानिकों को उम्मीद थी कि 2024 की शुरूआत में एल नीनो घटना के चरम पर पहुंचने के बाद असाधारण गर्मी का दौर कम हो जाएगा और स्थितियां धीरे-धीरे ला नीना चरण में बदल जाएंगी। लेकिन वैश्विक तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है, जिससे वैज्ञानिकों के बीच इस बात पर बहस छिड़ गई है कि अन्य कौन से कारक हैं जो उम्मीदों से ज्यादा गर्मी को बढ़ा रहे हैं।

भारत के कई राज्य लू की चपेट में : भारत में भी भीषण गर्मी का दौर शुरू हो चुका है। देश के उत्तर पश्चिमी राज्यों में हीटवेट का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान में रात का पारा भी 45 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है। राजधानी दिल्ली में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

भारतीय मूल के शख्स पर विमान में यौन उत्पीड़न का आरोप, टेक्सास की उड़ान के दौरान हुई वारदात

न्यूयॉर्क। अमेरिका में एक घरेलू उड़ान में भारतीय मूल के शख्स पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। संघीय अधिकारियों के मुतबिक, शख्स की उम्र 36 साल बताई जा रही है। उस पर एक साथी यात्री के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। मोंटाना के संघीय अभियोजक कर्ट एल्मे ने 3 अप्रैल को एक बयान में कहा कि भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला पर मोंटाना से टेक्सास की उड़ान में आपत्तिजनक हरकत और यौन संपर्क का आरोप है।

दो साल की कैद के साथ 2,50,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना : बयान में कहा गया, 'न्यू जर्सी के लेक हियावाथा के रहने वाले भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला पर संयुक्त राज्य अमेरिका के विशेष विमान

क्षेत्राधिकार में अपमानजनक यौन संपर्क के लिए एक-मामले में अभियोग लगाया गया। अगर वे दोषी पाए जाते हैं, तो भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला को दो साल की कैद के साथ 2,50,000 अमेरिकी डॉलर का जुमार्ना और कम से कम पांच साल की निगरानी रिहाई का सामना करना पड़ सकता है।'

अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय मामले में मुकदमा चला रहा : बयान में आगे कहा गया कि आरोपी को 17 अप्रैल, 2025 को अभियोग के लिए पेश होना है। अभियोग में आरोप लगाया गया है कि 26 जनवरी, 2025 को बोजमैन से डलास जाने वाली अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ान में भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला ने दूसरे यात्री की अनुमति के बिना उसके साथ यौन संबंध बनाए। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय इस मामले में मुकदमा चला रहा है। बयान में कहा गया है कि एफबीआई, आईसीई और डलास फोर्ट वर्थ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुलिस ने मामले की गहन जांच की है।

दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति चुनाव का एलान येओल को पद से हटाए जाने के बाद फैसला

सियोल। दक्षिण कोरिया ने नया राष्ट्रपति चुनने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। देश में अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक येओल की जगह लेने के लिए 3 जून को राष्ट्रपति चुनाव कराया जाएगा। देश के कार्यवाहक नेता हान डक-सू ने मंगलवार को घोषणा की कि हाल ही में अपदस्थ राष्ट्रपति यून की जगह लेने के लिए 3 जून को समयपूर्व राष्ट्रपति चुनाव होंगे। यह घोषणा संवैधानिक न्यायालय की ओर से यून सुक येओल को दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के दुर्भाग्यपूर्ण मामले में पद से हटाए जाने के कुछ दिनों बाद की गई।

3 जून के चुनाव में दो प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच कांटे की टक्कर होने की उम्मीद है। यून की रूढ़िवादी

पीपुल्स पावर पार्टी और इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच यह रोचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। देखना होगा कि क्या रूढ़िवादी फिर से संगठित हो सकते हैं और संभावित डेमोक्रेटिक उम्मीदवार ली जे-म्यांग को चुनौती देने के लिए एक मजबूत उम्मीदवार को मैदान में उतार सकते हैं? सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के लिए सत्ता में बने रहना एक कठिन लड़ाई होगी, क्योंकि वह जनता का विश्वास बहाल करने और यून के मार्शल लॉ स्टंट से उपजे गंभीर आंतरिक फूट को ठीक करने के लिए संघर्ष कर रही है।

विभिन्न सर्वेक्षणों से पता चला है कि विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे म्यांग, देश का अगला राष्ट्रपति बनने की रेस में सबसे आगे हैं। जब संवैधानिक अदालत ने यून सुक योल को राष्ट्रपति पद से हटाने का फैसला सुनाया तो उस वक्त राजधानी सियोल में यून सुक योल के खिलाफ एक रैली आयोजित हो रही थी।

ट्रंप के टैरिफ से तेल की कीमतों में आई गिरावट

अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें कम होने से रूस की सरकार दबाव में है और रूस के राजस्व में कमी आई है। बीते साल मार्च की तुलना में रूस को तेल की बिक्री से मिलने वाले राजस्व में 17 प्रतिशत की गिरावट आई है।

भारी दबाव में आए पुतिन

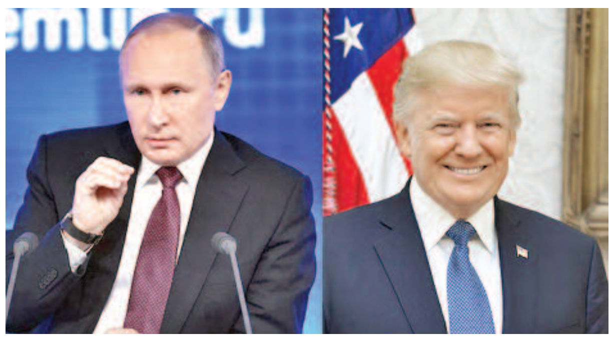

मास्को। यूक्रेन के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से रूस की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से तेल, ऊर्जा और खनिजों के निर्यात पर निर्भर हो गई है। यही वजह रही कि पश्चिमी देशों के तमाम प्रतिबंध लगाने के बावजूद पुतिन को परेशानी नहीं हुई, लेकिन अब लगता है कि ट्रंप के टैरिफ लगाने से रूस पर दबाव बढ़ गया है।

दरअसल टैरिफ वार के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में गिरावट आई है। सोमवार को तेल की कीमतें घटकर 60 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं। वहीं रूस के यूराल तेल की कीमतों तो और गिरकर 50 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई हैं।

दबाव में आई रूस की सरकार : तेल की कीमतें गिरने से पुतिन सरकार पर आर्थिक दबाव बढ़ा है। तेल और गैस सेक्टर ही रूस के खजाने में सबसे ज्यादा योगदान देते हैं। हालात ये हैं कि मार्च में रूस के तेल और गैस के कारोबार से मिलने वाला राजस्व पिछले साल मार्च की तुलना में 17 प्रतिशत कम हो गया है। अब अप्रैल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कई देशों पर टैरिफ लगाने के फैसले के बाद इसमें भारी गिरावट आने का अनुमान है। रूस की सरकार इसे लेकर चिंतित है। रूसी सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव से जब तेल की कीमतों के गिरने का रूस की अर्थव्यवस्था पर असर को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि 'बेशक हम इसे लेकर चिंतित हैं। ये संकेतक हमारे बजट के लिए बेहद अहम हैं और अभी इनकी स्थिति बेहद तनावपूर्ण और चिंताजनक है। हालांकि हम इससे उबरने के लिए कदम उठा रहे हैं।'

अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्या हैं तेल की कीमतें : शुक्रवार को रूस का यूराल ऑयल 52 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है और इसके अभी और गिरने की आशंका है। अमेरिकी डब्लूटीआई क्रूड या टेक्सास ऑयल भी 60 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड क रहा है और ब्रेंट ऑयल के अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 64 डॉलर प्रति बैरल है।

इस उठा-पटक के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें ट्रंप ने लिखा कि चीन ने अमेरिका पर जो 34 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, अगर उसे 24 घंटे में नहीं हटाया तो चीन पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। इससे अमेरिका और चीन में ट्रेड वार रुकने के आसार नहीं नजर आ रहे हैं और इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ना तय है।

जवाबी टैरिफ पर घर में ही घिरे ट्रंप, अब अरबपति बिल एकमैन ने साधा निशाना, कहा- प्रशासन ने की गलती

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जवाबी टैरिफ पर घर में ही घिरते नजर आ रहे हैं। ट्रंप के शीर्ष समर्थकों में से एक अरबपति बिल एकमैन ने अब उन पर निशाना साधा है। एकमैन ने कहा कि टैरिफ के कारण अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रतिष्ठा खतरे में है। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ की गणना करने के लिए जो फॉमूर्ला इस्तेमाल किया, वह गलत है, जिसके चलते टैरिफ वास्तविकता से चार गुना अधिक दिखाई दिए।

एकमैन ने एक्स पर किए गए पोस्ट में लिखा, 'ट्रंप अर्थशास्त्री नहीं हैं। वे गणनाओं को करने के लिए अपने सलाहकारों पर निर्भर हैं, ताकि वे नीति निर्धारित कर सकें। खराब गणित की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था नीचे जा रही है।'

ट्रंप ने विश्व के व्यापारिक नेताओं का विश्वास खोया : एकमैन ने कहा कि व्यापार विश्वास का खेल है। ट्रंप ने उस विश्वास का उल्लंघन किया है, जिसके चलते वह दुनियाभर के व्यापारिक नेताओं का विश्वास खो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे देश और हमारे लाखों नागरिकों के लिए जवाबी टैरिफ का परिणाम गंभीर रूप से नकारात्मक होगा, खासकर उन लोगों पर जिन्होंने ट्रंप का समर्थन किया। यह वह नहीं हैं, जिसके लिए हमने वोट दिया था।'

भारी टैरिफ लगाकर शुरू किया वैश्विक आर्थिक युद्ध : एकमैन ने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिका अनुचित व्यापार प्रथाओं का शिकार है, लेकिन असंगत टैरिफ से अमेरिका में अन्य देशों का व्यापारिक विश्वास टूट सकता है। उन्होंने कहा, 'अपने दोस्तों और दुश्मनों पर समान रूप से भारी टैरिफ लगाकर हमने वैश्विक आर्थिक युद्ध शुरू किया है, जो पूरी दुनिया के साथ हमारे व्यापारिक रिश्तों को नुकसान पहुंचाएगा।'

टैरिफ नीति से रुक जाएगा व्यापारिक निवेश : एकमैन ने ट्रंप की टैरिफ नीति को 'आर्थिक परमाणु युद्ध' बताया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि टैरिफ नीति से व्यापारिक निवेश रुक जाएगा, उपभोक्ता खर्च कम हो जाएगा, और अंततः अमेरिका की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचेगा और इसे फिर से बनने में दशकों लग जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे न केवल बड़े बल्कि छोटे व्यवसाय भी प्रभावित होंगे।

ट्रंप को एकमैन की सलाह- हमें झुकना शुरू कर देना चाहिए : एकमैन ने कहा कि जब बाजार गिरते हैं, तो नया निवेश रुक जाता है, उपभोक्ता पैसा खर्च करना बंद कर देते हैं। व्यवसायों के पास निवेश कम करने और कर्मचारियों को निकालने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका 'आर्थिक परमाणु शीतकाल की ओर बढ़ रहा है।'

प्रधानमंत्री आवास योजना को मिली रफ्तार, अधिकारियों ने बढ़ाई मॉनिटरिंग

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत आवेदकों का सत्यापन करने में जोनवार लगी निगम तथा तहसील की टीम

4890 आवेदनों की डोर टू डोर होगी जाँच, पात्र को ही मिलेगा लाभ

गाजियाबाद करंट क्राइम। नगर निगम मुख्यालय में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की गई। जिसमें ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों का सत्यापन करने की प्रक्रिया को तेज करने की योजना बनाई गई। मौके पर एसडीएम सदर अरुण दीक्षित, नगर निगम के अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव तथा पी ओ डूडा संजय पथरिया उपस्थित रहे। बैठक में तहसील की टीम निगम की टीम तथा डूडा विभाग की टीम को कार्यवाही की रफ्तार बढ़ाने की निर्देश दिए गए। साथ ही कार्य के समय प्राप्त होने वाली आपत्तियों पर भी चर्चा की गई।

अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव ने बताया कि जिलाधिकारी, गाजियाबाद तथा नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत पात्र को ही लाभ मिले सत्यापन की कार्यवाही की जा रही है। सभी जोनल प्रभारी भी जोनवार अपनी टीम को डोर टू डोर भेज रहे हैं, जिनके द्वारा मौके पर मकान की स्थिति तथा पात्र और अपात्र की स्थिति को देखते हुए कार्यवाही की जा रही है। गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत ऑनलाइन 4890 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिनमें विभागों द्वारा संयुक्त रूप से सत्यापन का कार्य किया जा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत मिलने वाला लाभ केवल पात्र को ही मिले मॉनिटरिंग अधिकारियों द्वारा बढ़ाई गई है। प्रतिदिन अधिकारी टीम के साथ समन्वय स्थापित करते हुए तेजी से कार्य कर रहे हैं। आगामी सप्ताह में समस्त ऑनलाइन आवेदनों में निर्णायक स्थिति बन जाएगी। इसके उपरांत लाभार्थियों को चिन्हित करते हुए अग्रिम कार्यवाही विभाग द्वारा की जाएगी।

- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हमें समझ नहीं आता है ये खेला? जब भी आती है संगठन की नई बेला? तब ही भगवा पहलवान दर्द-ए- दिल की शायरी पढ़कर फील कराते हैं अकेला? अपने जिगरी दोस्त से वो शायरी के माध्यम से दूरियों का कराते हैं एहसास? जब हो जाता है संगठन का मामला सेट? फिर नजर आने लगते हैं वो उनके साथ? कहने वाले ने कहा- हो सकता है कि ये हमारी सोच का है नतीजा? मगर, मौके पर पहलवान के यूं सुस्त हो जाने पर हो जाता है कई समर्थकों के अरमानों का फजीता?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हमारी इस बात पर अब पूरी बारीकी से नजर है यार? महामंत्री वाले रथ पर तीन भगवा ब्राह्मण साथियों में से कौन होगा सवार? क्या नदिया पार के भगवा झा करेंगे इस उपलब्धी को प्राप्त? क्या अपनी गुंजन से शर्मा जी करेंगे इस पद को प्राप्त? या फिर भगवा मास्टर के पक्ष में आएगी ये व्यवस्था? आजकल हर कोई ये चर्चा कर रहा है, हंसता-हंसता?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हमारी थी कंटिन्यू वाले सम्मेलन पर नजर? हम इधर भी देख रहे थे और देख रहे थे उधर? हमें पता चला-शहर वाले कार्यक्रम को लेकर अहीर भैया को थी जिम्मेदारी? सुना है उन्होंने कार्यक्रम को लेकर की थी मजबूत वाली तैयारी? फिर क्यों वो ठाकुर साहब की फोटो को बैकड्रॉप वाले साइन पर लगाना गए चूक? सुना है कई दिलजलों ने इसे फोन में रख लिया है संजोकर एज-ए-प्रूफ?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** कंटिन्यू वाले सम्मेलन में ना जाने क्या हुआ यार? सिटी वाले एरिये के कई कार्यकताओं अरमान आ गए एक झटके में बाहर? इन कार्यकताओं ने खुलकर उठाई खुद की अनदेखी की आवाज? कहने वाले ने कहा- इन सबका ये दर्द पुराना था? देखना अब ये है इनके चेहरों पर अब कितनी खुशियां रिटर्न करते हैं नए वाले भगवा भाई साहब?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा गढ़ में एक महान मंत्री इन दिनों मेहनत कर रहे हैं बहुत ज्यादा हाईफाई? मगर सुना है कभी-कभी कार्यकताओं के साथ उनकी आवाज हो जाती है हाई? हमने देखा कुछ कार्यकर्ता उनकी इसी लाडड आवाज को लेकर कर रहे थे बात? कहने वाले ने कहा- कार्यकताओं को उनकी आवाज को अपने दिल पर नहीं लेना चाहिए? वो लाउड आवाज में ही बात करते हैं? इस तरह से बात करना उनका सामान्य है अंदाज?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा गढ़ के एक जनप्रतिनिधि का बताया जाता है बहुत ही स्पष्ट अंदाज? हमने देखा, वो थे एक कार्यक्रम में मौजूद? सुना है करने वाले ने जमकर की उनकी तारीफ? खुलकर रखे उनके सम्मान में अपने अल्फाज? हमने देखा, इतने सम्मान के बावजूद भी जनप्रतिनिधि नहीं रहे अपने दिल की बात बताने में पीछे? उन्होंने कह दिया, वो हमारे कहने से कुछ नहीं करेंगे, भले ही हमें लेकर पढ़ दिये हों उन्होंने कितने ही कसीदें?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** पूर्व वाले भगवा मंत्री जी खुद को इस बार संगठन की दुआ में रखवाना चाहते हैं याद? सुना है मजबूत वाले जैन साहब तक पहुंचा दी है उन्होंने अपनी बात? कहने वाले ने कहा- देखना अब ये है, इस दर पर कितनी पूरी होती है उनकी फरियाद? हमें पता है, यहां होती है भगवा कार्यकताओं की बहुत ज्यादा फिक्र? जो भी जाता है, फिर नहीं आता है खाली हाथ?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हम एक बार बड़ी गहराई से देख रहे हैं यार? जो कभी अलग-अलग नजर आती थीं, वो रनिता और उदिता दीदी आजकल एकसाथ, एक ही गाड़ी में हो रही हैं सवार? कहने वाले ने कहा- दोनों के बीच में बन रही है कोई सहमति वाली बात? दोनों में से कोई एक क्षेत्र, तो कोई महानगर वाली टीम में आने का करेंगी प्रयास? इसलिए कराया जा रहा है नजदीकियों का एहसास?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** बताने वाले ने नहीं की ठीक से युवा क्रांतिकारी त्यागी को लेकर सही वाली बात शेयर? यहां बाहक रैली में सबकुछ युवा क्रांतिकारी त्यागी ने विधायक जी के निदेर्शों पर सबकुछ किया? नहीं था उनके इस आयोजन में दूर-दूर तक पूरे गौरव से किसी का इंटरफेयर? इसलिये आप इस चेहरे को उस चेहरे से मत जोड़ो? पता चले, कहीं से बंद हो जाए इस महोब्बत को देखकर उनकी केयर?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा योद्धा की टीम में यूं तो कई नदिया पार के चेहरें, महान मंत्री बनने का कर रहे हैं प्रयास? मगर यहां पर टी कंपनी का एक ठाकुर चेहरा ऐसा भी है, जिसके हैं अलग ही अल्फाज? वो उपाध्यक्ष के तौर पर खेलना चाह रहा है टीम में पारी? उनको 100 प्रतिशत उम्मीद है कि ये वाला पद उनको हो ही जाएगा जारी? कहने वाले ने कहा- दावेदारी में मजबूत नजर आ रही है उनकी लाठी? इसलिये हैवीवेट वालों की कृपा से निफराम नजर आ रहे हैं मिस्टर भाटी?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

एलपीजी गैस सिलेंडर, पेट्रोल, डीजल की महंगाई से शुरूआत

आगे देखिए अब कैसे सरकार लगाएगी देश में घात : सिकंदर यादव

गाजियाबाद करंट क्राइम। सपा नेता व वरिष्ठ समाजसेवी सिकंदर यादव ने कहा कि सरकार ने सत्ता में आकर पूरी तरह से अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया है और अब उसकी नजर देश की जनता को लूटने पर फिर से पड़ी हुई है। सरकार ने शुरूआत एलपीजी गैस,सिलेंडर ,पेट्रोल और डीजल से कर दी है, जिसका असर धीरे-धीरे देखने को मिलेगा। आने वाले समय में सरकार टैक्स के रूप में और महंगाई करने वाली है जिससे देश आर्थिक संकट से गुजरने वाला है। आने वाली स्थिति दयनीय होने वाली है। अब चाह कर भी महंगाई को रोकना नामुमकिन है।

सरकार महंगाई और बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दों पर बात नहीं करना चाहती : हाजी आसिफ चौधरी

गाजियाबाद करंट क्राइम। पूर्व पार्षद एवं बोर्ड सदस्य का विकास प्राधिकरण गाजियाबाद हाजी आसिफ चौधरी ने कहा कि इस समय आर्थिक मंदी का सामना देश की जनता को करना पड़ रहा है। लेकिन ऐसे में मोदी सरकार पूरी तरह से बहरी बनी हुई है। जनता के हितों के लिए जो बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे हैं, उन पर सरकार पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए हैं। यह देश के लिए संकट की बात है। सरकार पूरी तरह से हठ नीति अपना रही है। भाजपा सरकार हिंदू-मुसलमान करके देश की जनता को भ्रमित कर जनता को ठगने का काम कर रही है।

महंगाई की मार झेल रहा आम आदमी: हाजी मोहम्मद कल्लन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। समाजवादी पार्टी के पूर्व पार्षद हाजी मोहम्मद कल्लन ने महंगाई को लेकर बीजेपी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार की गलत नीतियों की वजह से महंगाई आसमान छू रही है, हर चीज के दाम बढ़ रहे हैं। इसका असर आम आदमी की जिंदगी पर भी पड़ रहा है। आम आदमी को बड़ा झटका एलपीजी गैस सिलेंडर 50 रुपए महंगा किया गया है। सरकार महंगाई रोकने में पूरी तरह से विफल है,महंगाई आसमान छू रही है, हर चीज के दाम बढ़ रहे हैं। करंट क्राइम उन्होंने कहा कि गरीब लोगों की कहीं भी सुनवाई नहीं है, उन्होंने ने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार को आम जनता की परेशानियों से कोई मतलब नहीं है। भाजपा नफरत की राजनीति कर रही है, और समाज में नफरत और अराजकता फैलाने का कोई मौका नहीं छोड़ रही।

कर तथा करेत्तर से निगम ने पिछले वर्ष के सापेक्ष की 60% अधिक की वसूली

बेहतर वसूली में निगम अधिकारियों सहित जनता और जनप्रतिनिधियों का मिला विशेष सहयोग :नगर आयुक्त

गाजियाबाद करंट क्राइम। शहर के विकास कार्यों को रफ्तार देने के लिए गाजियाबाद नगर निगम ने पिछले वर्ष के सापेक्ष इस वर्ष लगभग 60% की अधिक वसूली की गई है।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने टैक्स विभाग टीम की सरहाना की। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ० संजीव ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की रिपोर्ट नगर आयुक्त की समक्ष प्रस्तुत की। रिपोर्ट में दशार्या गया है कि पिछले वर्ष टैक्स विभाग द्वारा 354 करोड़ की वसूली की गई थी जो कि इस बार 60% तक बढ़ी है जिसमें 619 करोड़ की वसूली इस वित्तीय वर्ष में टैक्स विभाग द्वारा की गई है। 265 करोड़ की वसूली अधिक की गई है। नगर आयुक्त ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा इस बार बेहतर टैक्स वसूली तथा नॉन टैक्स वसूली की गई है। 350 करोड़ हाउस टैक्स वसूली हुई है तथा लगभग 270 करोड़ की करेत्तर से वसूली की गई है। इसका श्रेय निगम अधिकारियों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों तथा सम्मानित जनता को भी जाता है जिनके द्वारा जागरूक होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया गया है। बैठक में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र की मॉनिटरिंग में हुए कार्यों की भी सराहना की गई।

सीडीओ अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में पी०एम० सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की बैठक सम्पन्न

146 लाभार्थियों के छतों पर सोलर पैनल की स्थापना का कार्य पूर्ण

गाजियाबाद करंट क्राइम। मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में ग्राम कुम्हेड़ा और पी०एम० सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन किया। बैठक में यूपीनेडा ने बताया कि कैनरा बैंक ने 65 एवं पी.एन.बी. बैंक ने 72 लाभार्थियों का लोन स्वीकृत किया गया है। 146 लाभार्थियों के छतों पर सोलर पैनल की स्थापना करायी जा चुकी है और 144 लाभार्थियों का सिस्टम पूर्ण रूप से स्टॉल है। इनमें से 103 का स्मार्ट मीटर स्थापित हो गया है। अवशेष 356 के स्मार्ट मीटर के स्थापना की कार्यवाही प्रगति पर है। मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में निर्देश दिये कि बैंको के रिजनल ऑफिस से समन्वय कर सभी अभिलेख पूर्ण कराकर सभी ऋण समय पर वितरीत कराये जाये। सभी अभिलेख सम्बन्धित फर्म एवं यूपीनेडा चेक लिस्ट के साथ आरएम ऑफिस में उपलब्ध कराये। सभी 500 नग सोलर रुफटॉप पावर प्लान्ट स्थापित कराकर नेट मीटरिंग का कार्य विद्युत विभाग से शीघ्र पूर्ण कराये। यूपीनेडा को निर्देश दिये गये जनपद के सभी आर.डब्ल्यू. ए. तथा ए.ओ.ए. एवं क्रियाशील सोलर वेण्डरों की बैठक कराना सुनिश्चित करें।

सभी वार्डों में पानी की व्यवस्था को बेहतर करने में जुटा निगम, 30 एचपी के लगाए जाएंगे 34 अतिरिक्त नलकूप

पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करें अधिकारी, आवश्यकता को देखते हुए बढ़ाएं टैंकरों की संख्या: नगर आयुक्त

गाजियाबाद करंट क्राइम। नगर निगम लगातार पेयजल की व्यवस्था को सुदृढ़ करने में लगा हुआ है। सभी वार्डों में समय से पानी की आपूर्ति सुचारू रहे जलकल विभाग टीम मॉनिटरिंग कर रही है। ऐसे क्षेत्र जहां पर पेयजल की आपूर्ति में परेशानी आ रही है। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देशानुसार गाजियाबाद नगर निगम जलकल विभाग द्वारा ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित करते हुए नलकूप लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद ने बताया गया कि वर्तमान में 1100 नलकूप पेयजल की आपूर्ति कर रहे हैं। जिसमें 300 नलकूप 15 से 30 एचपी के हैं तथा 800 नलकूप 10 एचपी के हैं लगभग 6500 हैंड पंप गाजियाबाद नगर निगम के हैं जिनसे शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति की जा रही है। सभी वार्डों में पानी की सप्लाई निरंतर हो कार्यवाही ग्राउंड लेवल पर चेक भी की जा रही है। आवश्यकता को देखते हुए नए नलकूप लगाने का कार्य भी किया जा रहा है जिसमें वर्तमान में 10 से 15 नलकूप नये लगाने का कार्य विभाग कर रहा है। नेहरू नगर, लाजपत नगर, सेक्टर 9 विजय नगर, कुटी, जे ब्लॉक प्रताप विहार, राजनगर, रजापुर तथा वसुंधरा क्षेत्र में भी आवश्यकता को देखते हुए नलकूप लगाई जा चुके हैं। महाप्रबंधक जल द्वारा यह भी बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत 30 एचपी के 34 सबमर्सिबल करने की कार्यवाही भी तेजी से चल रही है जिसके लिए टेंडर प्रक्रिया का कार्य पूर्ण कराया जा रहा है।

भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार अब जनता को झटके पर झटके दे रही: नरेंद्र चौहान

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। कांग्रेस के वरिष्ठ नरेंद्र चौहान ने कहा कि देशभर में आम आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी कर दी है। इस बढ़ोतरी से जहां लोगों की जेब पर असर पड़ेगा, वहीं रसोई का बजट भी बिगड़ने वाला है। नरेंद्र चौहान ने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार अब जनता को झटके पर झटके दे रही है। सरकार ने लोगों की जेब पर असर डालने वाले कई फैसलों का एलान कर दिया। इनमें रसोई गैस सिलेंडर 50 रुपये महंगा करना शामिल है। एक तरफ सरकार खाना बनाने के लिए हर घर गैस पहुंचाने की बात कर रही है तो दूसरी ओर सिलेंडर के दाम बढ़ाकर गरीब आदमी की पहुंच से इसे दूर कर रही है। सरकार को तुरंत बढ़े हुए दाम वापस लेने चाहिए। उन्होंने कहा सरकार विदेशी, घरेलू नीतियों में फेल है।

पार्षद प्रीति जैन ने निगम के अधिकारियों को बताईं पार्क की खामियां

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पार्षद प्रीति जैन ने मंगलवार को नगर निगम के जेई राजेंद्र के साथ वार्ड 99 के पार्कों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि तिकोना पार्कव वैभव पार्क का निरीक्षण किया गया। तिकोना पार्क में बोरिंग खराब होने के कारण नई बोरिंग हेतु मशीन मंगवाई गई है। साथ ही नगर निगम से टैंकर मंगवाकर पार्क में लगे पौधों को पानी दिया गया। जिससे गर्मी के मौसम में पौधों की देखभाल सुनिश्चित हो सके। वैभव पार्क में टूटे हुए ट्रैक, पेंट और ओपन जिम उपकरणों की मरम्मत के लिए नगर निगम के इंजीनियर के साथ संयुक्त निरीक्षण किया गया। यह कार्य आगामी दो-तीन दिनों में आरंभ होने की संभावना है। पार्कों में पतझड़ के कारण अत्यधिक पत्तों का जमाव देखा गया। संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि इन सूखे पत्तों को समयबद्ध और नियमित रूप से उठवाया जाए, जिससे साफ-सफाई की स्थिति बेहतर बनी रहे। साफ-सफाई की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया और कर्मचारियों को और अधिक सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए कहा गया। पूर्व पार्षद अभिनव जैन ने बताया कि शहीद कैप्टन दविंदर सिंह जस पार्क जो पंप खराब हुआ है उसकी मरम्मत का कार्य चल रहा है। हमारा उद्देश्य है कि क्षेत्र के नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित सार्वजनिक स्थल उपलब्ध कराए जाएं। वही रात को 11:30 12:00 तक पार्क का निरीक्षण कर देखा गया है कि पंप को ठीक करने के लिए मशीन आई है या नहीं।

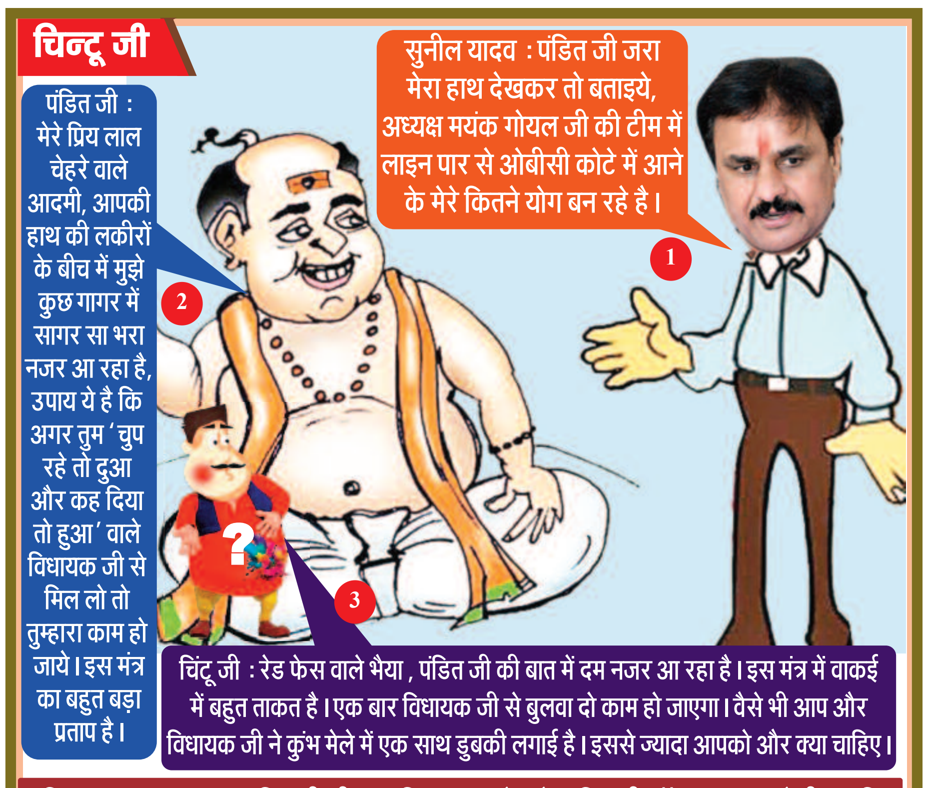

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। एक मां के लिए दुनिया की सबसे बड़ी खुशी तब होती है जब उसकी बेटी कामयाब होती है और बधाई मां को मिलती है। अनीता राणा की बेटी ने कामयाबी हासिल की है उन्होंने संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल वर्ल्ड हेल्थ डे में प्रथम पुरस्कार हासिल किया अनीता राणा ने बिटिया की सफलता की खुशी को फेसबुक पर साझा किया उनकी यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।